▪ भाद्रपद शुक्ल - 5 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 58 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 20-09-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 संसद में पेश महिला आरक्षण विधेयक स्वागत योग्य कदम : नीतीश

6 गणेश हैं विघ्नहर्ता, मंगलकर्ता और उन्नत राष्ट्र-निर्माता

7 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' पेश किए जाने को पचा नहीं पा रहा है विपक्ष : शाह

फर्स्ट टेक

पुराना संसद भवन, अब बना संविधान सदन

नई दिल्ली/वार्ता। संसद के पुराने भवन को अब से संविधान सदन के नाम से जाना जाएगा। लोकसभा महासचिव उत्पल सिंह ने आज रात यहां इस आशय की अधिसूचना जारी की। अधिसूचना में कहा गया है कि भूखण्ड संख्या 116 पर बने भवन जिसे पहले संसद भवन कहा जाता था जिसके उत्तर पश्चिम में लोकसभा मार्ग और दक्षिण पश्चिम में राज्य सभा मार्ग है, को आज से संविधान सदन के रूप में अधिसूचित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में यह सुझाव रखा था।

यूजर्स से छोटा मासिक शुल्क ले सकता है एक्स

वाशिंगटन/वार्ता। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'एक्स' के मालिक एलन मस्क ने बॉट्स में कटौती की आवश्यकता जताते हुए कहा है कि 'एक्स' सभी यूजर्स से छोटा मासिक शुल्क ले सकता है। मस्क ने अक्टूबर 2022 में 44 अरब डॉलर में एक्स (पूर्व में ट्विटर) का अधिग्रहण करने के बाद इसमें कई बदलाव किए हैं। अधिग्रहण के बाद उन्होंने हजारों कर्मचारियों को निकालने के साथ हर एक भुगतान प्रीमियम विकल्प पेश किया और कंटेट मॉडरेशन में कटौती की। मस्क ने कहा कंपनी 'एक्स' के उपयोग के लिए एक छोटा मासिक शुल्क लेने की दिशा में आगे बढ़ रही है और मेरी नजर में यही एकमात्र तरीका है जिसके माध्यम से हम बॉट्स की विशाल सेनाओं का मुकाबला कर सकते हैं।

पाकिस्तान ने यूक्रेन को हथियार बेचे : रिपोर्ट

इस्लामाबाद/भाषा। नकदी की कमी की समस्या से जूझ रहे पाकिस्तान ने यूक्रेन के इस्तेमाल के लिए अमेरिका को गोपनीय तरीके से हथियार बेचे, जिसने उसे इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से अहम वित्तीय मदद प्राप्त करने में मदद की थी। एक रिपोर्ट में पाकिस्तान और अमेरिका सरकार के आंतरिक दस्तावेजों के आधार पर यह दावा किया गया है।

गूगल चैटबॉट 'बार्ड' को अन्य ऐप के साथ जोड़ेगा

नई दिल्ली/भाषा। सर्च इंजन गूगल कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित चैटबॉट बार्ड की पहुंच बढ़ा रहा है और इसे मैप्स, डॉक्स और ड्राइव जैसे गूगल ऐप के साथ जोड़ रहा है। इससे अधिक भाषाओं और देशों में उसकी सेवाएं बेहतर होंगी। ऐसा माना जा रहा है कि गूगल ने ओपन-सोर्स जेनएआई मंच चैटजीपीटी को टक्कर देने के लिए यह कदम उठाया है। गूगल ने कहा कि चैटबॉट बार्ड अब दुनिया भर की भाषाओं और देशों में उपलब्ध है।

20-09-2023 सूर्यास्त 6:17 बजे	21-09-2023 सूर्योदय 6:08 बजे
BSE 67,596.84 (-241.79)	NSE 20,133.30 (-59.05)
सोना 6,161 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 73,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जय गणेश

वैभवशाली हों सभी प्रांत,
भारत भू का चप्पा-चप्पा।
है लोकतंत्र का प्रतिफल ये,
जिस पर संवैधानिक ठप्पा।
मत तोड़ो इसकी मर्यादा,
वर्ना खा जाएगा टप्पा।
जन गण मन हों आनंदित सब,
अरदास सुनो गणपति बप्पा।।

लक्ष्यों को निर्धारित समयसीमा में हासिल करना होगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लक्ष्यों को निर्धारित समय सीमा में हासिल करने पर बल देते हुए आज कहा कि देश अब प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं है।

मोदी ने नये संसद भवन में राज्यसभा की कार्यवाही के पहले दिन मंगलवार को सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य हासिल करने होंगे क्योंकि देश अब प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई सोच और शैली के साथ आगे बढ़ने का समय आ गया है और इसके लिए कार्य के दायरे और विचार प्रक्रिया का विस्तार करना होगा। उन्होंने कहा , नई संसद सिर्फ एक नई इमारत नहीं है बल्कि एक नई शुरुआत का प्रतीक भी है। अमृत काल की सुबह में यह नई इमारत 140 करोड़ भारतीयों में एक नई ऊर्जा का समावेश करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान सदन में हमने आजादी के 75 साल का उत्सव मनाया। वर्ष 2047 में जब नए भवन में आजादी की सदी मनाई जाएगी तो यह उत्सव विकसित भारत में मनाया जायेगा। उन्होंने कहा ,पुराने संसद भवन में हम विश्व की अर्थव्यवस्था के मामले में 5वें स्थान पर पहुंच गए थे। मुझे विश्वास है कि नई संसद में हम दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होंगे।

लोकसभा में पेश नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हम जीवन की सहजता की बात करते हैं तो उस सहजता पर पहला हक महिलाओं का है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, महिलाओं की क्षमता को अवसर मिलना चाहिए। उनके जीवन में 'किंतु-परंतु' का समय समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि विधेयक पहली बार 1996 में पेश किया गया था और अटल जी के कार्यकाल के दौरान इस पर कई विचार-विमर्श और चर्चाएं हुईं, लेकिन संख्या की कमी के कारण विधेयक को मंजूरी नहीं मिल सकी। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि विधेयक अंततः कानून बन जाएगा और नए भवन की नई ऊर्जा के साथ राष्ट्र निर्माण की दिशा में 'नारी शक्ति' सुनिश्चित करेगा।

महिलाओं को लोकसभा, विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान वाला विधेयक पेश

नई दिल्ली/वार्ता। विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रावधानों वाला 128वां संविधान संशोधन विधेयक, 2023 लोकसभा में मंगलवार को पेश किया गया। विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने 'नारी शक्ति वंदन विधेयक , 2023 ' सदन में पेश करते हुए कहा कि संसद के नवनिर्मित भवन में पहले दिन की कार्यवाही के ऐतिहासक दिन यह विधेयक प्रस्तुत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक के कानून बन जाने के बाद महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान हो जायेगा। महिलाओं के आरक्षण के बाद लोकसभा में महिलाओं की संख्या बढ़कर 181 हो जायेगी। सदन में अभी 82 महिला सदस्य हैं । उन्होंने कहा कि विधेयक में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के आरक्षण का भी प्रावधान होगा।

मेघवाल ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र , दिल्ली की विधानसभा में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए करने के वास्ते संविधान के अनुच्छेद 239 ए ए में संशोधन किया जायेगा। दिल्ली में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों में से एक तिहाई आरक्षण महिलाओं को दिया जायेगा।

इसी तरह अनुच्छेद 330 ए जोड़कर लोकसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण की व्यवस्था की जा रही है। इसमें भी अनुसूचित जाति और जनजाति के कोटे की एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए होंगी। उन्होंने कहा कि संविधान में अनुच्छेद 332 ए जोड़कर विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया जायेगा। इसके तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की आरक्षित सीटों में भी 33 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को दिया जायेगा।

विधेयक में प्रस्तावित नये अनुच्छेद 334 ए के तहत महिला आरक्षण की व्यवस्था सीटों के नये परिसीमन के बाद लागू होगी । इस तरह अनुमान लगाया जा रहा है कि लोकसभा में महिला आरक्षण की व्यवस्था 2029 के आम चुनावों में ही लागू हो पायेगी।

महिलाओं के आरक्षित सीटों में क्रमिक परिवर्तन संसद द्वारा बनाये गये कानून के तहत किये जाने वाले हर नये परिसीमन के बाद किया जायेगा। इस कानून का नाम नारी शक्ति वंदन विधेयक होगा।

गणेश उत्सव

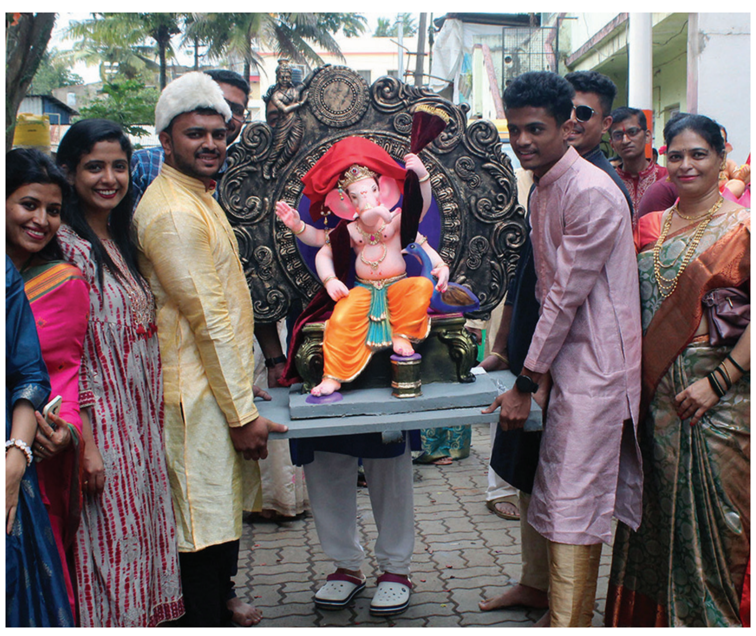

मंगलवार को बेलगावी में गणेश उत्सव के अवसर पर भगवान गणेश की मूर्ति ले जाते भक्त।

तमिलनाडु में आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व मंत्री का निजी सहायक दोषी करार

चेन्नई/भाषा। मद्रास उच्च न्यायालय ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में अन्नाद्रमुक सरकार में मंत्री रहीं आर इंदिरा कुमारी के निजी सहायक आर वेंकटकृष्णन को दोषी ठहराते हुए तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन ने राज्य सरकार की ओर से दायर अपील को स्वीकार करते हुए वेंकटकृष्णन पर पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। न्यायमूर्ति जयचंद्रन ने मामले में वेंकटकृष्णन की पत्नी मंजुला को 18 महीने की सश्रम कारावास की सजा सुनाई और पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को भारत ने किया खारिज, कनाडाई राजनयिक निष्कासित

▪ भारत ने आरोप लगाया है कि कनाडाई राजनयिक देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं और भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की भूमिका का सीधा आरोप लगाये जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आज कनाडा के उच्चायुक्त को तलब किया और उनके एक वरिष्ठ राजनयिक को पांच दिन के भीतर देश छोड़ने का फरमान सुनाया।

भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री के बयान को बेतुका और घरेलू राजनीति से प्रेरित करार देते हुए खारिज कर दिया है और आरोप लगाया है कि कनाडाई राजनयिक देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं और भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। भारत एवं कनाडा के बीच इस घटनाक्रम से दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आ गयी है।

विदेश मंत्रालय ने यहां एक बयान में कहा, भारत में कनाडा के उच्चायुक्त को आज तलब किया गया और भारत स्थित एक वरिष्ठ कनाडाई राजनयिक को निष्कासित करने के भारत सरकार के फैसले के बारे में सूचित किया गया। संबंधित राजनयिक को अगले पांच दिनों के भीतर भारत छोड़ने को कहा गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह निर्णय हमारे आंतरिक मामलों में कनाडाई राजनयिकों के हस्तक्षेप और भारत विरोधी गतिविधियों में उनकी भागीदारी पर भारत सरकार की बढ़ती चिंता को दर्शाता है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जिस राजनयिक का निष्कासित किया गया है, वह कनाडा में उच्चायोग में कनाडाई खुफिया सेवा के स्टेशन प्रमुख ओलिवर सिल्वेस्टर हैं। इससे कुछ देर पहले ही विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी करके कनाडाई प्रधानमंत्री के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, हमने कनाडा के प्रधानमंत्री का उनकी संसद में दिया गया बयान और उनके विदेश मंत्री का बयान देखा है और उसे खारिज करते हैं। कनाडा में हिंसा के किसी भी कृत्य में भारत सरकार की संलिप्तता के आरोप बेतुके और प्रेरित हैं।

राज्यों को आरक्षण का अनुपात तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में आरक्षण को 50 प्रतिशत तक सीमित करने का विरोध करते हुए मांग की कि संबंधित राज्यों को आरक्षण का अनुपात तय करने की अनुमति दी जाए। स्टालिन ने कहा कि उदाहरण के तौर पर तमिलनाडु में अधिकतम 69 प्रतिशत आरक्षण है और इसे 50 प्रतिशत तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित दूसरे अखिल भारतीय सामाजिक न्याय महासंघ को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए यह बात कही। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष ने कहा कि इसलिए आरक्षण के पात्र समुदायों की आबादी के आधार पर, राज्यों को आरक्षण का अनुपात तय करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर आरक्षण नीति को ठीक से लागू नहीं करने का भी आरोप लगाया।

बेहतर सेवा देने को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक डिजिटलीकरण में तेजी लाएं : वित्तमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के कंप्यूटरीकरण में धीमी प्रगति को लेकर चिंता जतायी और गांवों-कस्बों में बेहतर वित्तीय सेवाएं देने के लिये इसमें तेजी लाने को कहा।

सीतारमण ने किसान ऋण पोर्टल और मौसम सूचना नेटवर्क डाटा प्रणाली (विंड्स) नियमावली पेश करने के बाद कहा कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों के डिजिटलीकरण के लिये काफी काम किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि सहकारी बैंक समान रूप से संपन्न नहीं हैं और उनकी वित्तीय सेहत अलग-अलग है। गृह मंत्री अमित शाह की अगुवाई वाले सहकारिता मंत्रालय के तहत इस क्षेत्र में क्षमता बढ़ाने का काम हो रहा है।

वित्त मंत्री ने कहा कि सहकारी बैंकों का डिजिटलीकरण आवश्यक गति से होगा। हालांकि, उन्होंने कहा, ''मैं आरआरबी, उनके डिजिटलीकरण और कम्प्यूटरीकरण के बारे में अधिक चिंतित हूं। इसलिए, अगर उनके पास यह नहीं है, तो फोन बैंक सुविधा... या इंटरनेट बैंकिंग सुविधा का विस्तार...काम नहीं करेगा।''

वित्त मंत्री ने कहा कि बहुत सारा काम अभी भी लंबित है और वित्तीय सेवा विभाग तेज गति से कंप्यूटरीकरण को लेकर उन्हें जागरूक कर रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी और उसकी रोकथाम के लिये लगाये गये लॉकडाउन' के दौरान गांवों ने अर्थव्यवस्था को थामे रखा, इसको देखते हुए किसान और कृषि क्षेत्र को सरकार काफी महत्व दे रही है।

इस अवसर पर कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सरकार के विभिन्न उपायों से किसानों की आमदनी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय के लिये बजट आवंटन 2013-14 से कई गुना बढ़ गया है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इस क्षेत्र को बहुत महत्व देती है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख का सुरक्षा परिषद में सुधार पर जोर

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने आज की दुनिया के अनुरूप और समानता के आधार पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार का मंगलवार को आह्वान किया और नेताओं से कहा कि 15 देशों का यह संगठन 1945 की राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है।

गुतारेस ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र में अपने संबोधन में वैश्विक नेताओं से कहा, हमारी दुनिया अव्यवस्थित होती जा रही है। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है। वैश्विक चुनौतियां बढ़ रही हैं। और हम इनसे निपटने के लिए एक साथ आने में असमर्थ दिख रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बहुध्रुवीय दुनिया को मजबूत और प्रभावी बहुपक्षीय संस्थानों की जरूरत है, फिर भी वैश्विक शासन पुराने समय के हिसाब से चल रहा है।

गुतारेस ने कहा, ज्यादा दूर न जाएं और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को देखें। यह 1945 की राजनीतिक और आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करती है जब इस सभागार में मौजूद कई देश औपनिवेशिक प्रभुत्व के अधीन थे। दुनिया बदल गई है। हमारे संस्थानों में बदलाव नहीं हुआ।

'आत्म मंथन का पर्व है सम्वतसरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां विजयनगर स्थित अर्हम भवन में आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में पर्युषण महापर्व का मुख्य दिन संवत्सरी महापर्व का आयोजन श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा-विजयनगर द्वारा किया गया। नवरंगी तपोयज्ञ में सैकड़ों तपस्यार्थियों ने तपस्या की। सैकड़ों ने पौषध साधना भी स्वीकार की। भवन जनता से खचाखच भरा हुआ था। मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा संवत्सरी आत्म-गवेषणा का पर्व है। आत्ममंथन का पर्व है। इस महान पर्व के द्वारा हमारे जीवन में दिशा का परिवर्तन होना चाहिए। संवत्सरी वर्ष भर के क्रियाकलापों की समीक्षा का समय है। पिछले वर्ष की संवत्सरी से लेकर इस संवत्सरी तक परिवर्तन की दृष्टि से मैंने क्या किया? मुनिश्री के आगे कहा- संवत्सरी महापर्व पर प्रतिक्रमण कर पापों का प्रायश्चित करने का महास्नान जरूर करें वर्ष भर में जो भी कोई गलती हुई हो उसका शुद्धिकरण करे। मुनिश्री ने नवरंगी आदि तपस्या करने वालों के प्रति मंगल कामना की। मुनिश्री ने भगवान महावीर एवं तेरापंथ की आचार्य परम्परा का भी वर्णन किया।

मुनिश्री काव्य कुमारजी ने कहा, संवत्सरी का महान पर्व जैन समाज के लिए महास्नान का पर्व, है, यह पर्व महाकुंभ की तरह है। यह अंत: करण की व्याथियों और मनस्कायिक बीमारियों की शुद्धि के लिए चिकित्सा का पर्व है। मुनिश्री ने आगे पट्टधर आचार्यों का एवं प्रभावक आचार्यों का वर्णन किया। शाम को बड़ी संख्या में प्रतिक्रमण और पौषध हुए। कार्यक्रम में जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, महिला मंडल, विजयनगर युवक परिषद् ने संयुक्त मंगलाचरण किया। सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी ने शुभकामनाएं दी। विकास बांठिया ने तपस्वियों का नामोल्लेख किया।

परमात्मा के वचनों पर पूर्ण श्रद्धा जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां बसवनगुड़ी में जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी म. सा. ने अपने प्रवचन में क़हा कि हमें जिनवाणी पर पूर्ण श्रद्धा रखनी है और परमात्मा की वाणी की अवहेलना नहीं करनी है और उसी के अनुरूप हमें अपना जीवन यापन करना चाहिए।

हम जहां भी जाएं परमात्मा की और जिन शासन की एक छाप झलकनी चाहिए। मानव जीवन में तपस्या करना बहुत कठिन मार्ग है हम छह बाह्य और छह अभियंतर तप के द्वारा कर्म निर्जरा कर सकते हैं। अभ्यंतर तप में क्षमा और प्रायश्चित हमारे अंदर आनी चाहिए पूरे वर्ष भर में किए गए जाने अनजाने पापों को मन वचन काया से एक दूसरे से क्षमा मांग कर हमें उन पापों को क्षीण करना है और हमारी आत्मा को हल्का करना है नहीं तो किए गए पाप जन्म-जन्मांतर तक भवों भवों तक हमारी आत्मा से चिपके रहेंगे। मासक्षमण, सिद्धि तप और अट्ठाई की तपस्या वाले अनेक सदस्यों ने गुरुवर्याजी से पचक्खान लिए और अपने कर्मों की निर्जरा की। प्रवचन के दौरान अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप श्रीश्रीमाल भी उपस्थित थे।

मप्र के मुख्यमंत्री 21 सितंबर को आदि शंकराचार्य की 108 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 21 सितंबर को ओंकारेश्वर में हिंदू संत आदि शंकराचार्य की एक भव्य प्रतिमा का अनावरण करेंगे। खंडवा जिले में नर्मदा नदी किनारे स्थित ओंकारेश्वर मंदिरों का शहर है। भगवान शिव को समर्पित 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक ओंकारेश्वर में स्थित है। आठवीं शताब्दी के दार्शनिक व हिंदू धर्म में प्रतिष्ठित शंकराचार्य की 108 फुट ऊंची प्रतिमा का नाम एकात्मता की प्रतिमा रखा गया है। यह विशाल प्रतिमा नर्मदा नदी के किनारे सुरम्य मांधाता पहाड़ी के ऊपर स्थित है।

अधिकारी ने बताया कि चौहान को 18 सितंबर को भव्य प्रतिमा का अनावरण करना था, लेकिन क्षेत्र में भारी बारिश के कारण कार्यक्रम को 21 सितंबर को पुनर्निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास और मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (एमपीएसटीडीसी) के मार्गदर्शन में प्रतिमा को तैयार किया गया है और एकात्मता की प्रतिमा आदि शंकराचार्य की विरासत और उनकी गहन शिक्षाओं को प्रदर्शित करती है।

अधिकारी ने कहा, यह सांस्कृतिक परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बहुप्रतीक्षित दृष्टिकोण - 'वसुधैव कुटुंबकम (दुनिया एक परिवार है) को पूरा करेगी। इस 108 फुट ऊंची प्रतिमा के साथ, मध्य प्रदेश सभी धर्मों के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करेगा। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने पहले 2,141.85 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी थी, जिसके तहत ओंकारेश्वर में एक संग्रहालय के साथ आदि शंकराचार्य की मूर्ति बनाई जानी थी।

यशवंतपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य प्रगति पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। यशवंतपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास से संबंधित कार्य फरवरी 2023 से शुरू हुए थे। पहले चरण के हिस्से के रूप में, 'ईस्ट साइड' यानी प्लेटफॉर्म नंबर 1 की तरफ निर्माण कार्य शुरू हो गया है। मल्टी-लेवल कार पार्किंग (जी+5) और आगमन/प्रस्थान प्लाजा के साथ एलिवेटेड रोड के लिए रैंप का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वाहनों के लिए अलग-अलग आगमन और प्रस्थान बिंदु होंगे, जिससे भीड़भाड़ नहीं होगी। स्टेशन में विशाल एयर कॉनकोर्स (आकार में 14,800 वर्गमीटर) भी होगा, जो फूड कोर्ट, रिटेल स्पेस, बिजनेस सेंटर आदि के प्रावधान के साथ हवाईअड्डों के वेटिंग लाउंज के बराबर होगा।

स्टेशन का निर्माण ग्रीन-बिल्डिंग मानदंडों के अनुसार किया जाएगा, जिसमें वर्षा जल संचयन, सीवेज जल उपचार संयंत्र आदि का प्रावधान होगा। पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी और वेंटिलेशन के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाएगा। केवल ऊर्जा दक्ष एलईडी लाइटिंग लगाई जाएगी। फेज-1 यानी ईस्ट साइड का काम पूरा होने के बाद वेस्ट साइड (मेट्रो साइड) पर काम शुरू होगा। यशवंतपुर स्टेशन के पुनर्विकास का पूरा काम जुलाई 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जून 2022 में इस स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी थी।

निपाह का प्रकोप नियंत्रण में है, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है : विजयन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को कहा कि कोझिकोड जिले में निपाह का प्रकोप नियंत्रण में है, लेकिन संक्रामक बीमारी का खतरा अभी टला नहीं है। उन्होंने कहा कि फिलहाल निपाह प्रकोप की दूसरी लहर की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह नहीं कहा जा सकता कि निपाह का खतरा पूरी तरह टल गया है। विजयन ने कहा कि राज्य का स्वास्थ्य तंत्र घातक वायरस के प्रसार को प्रभावी ढंग से रोक सकता है। स्वास्थ्य तंत्र सावधानी से काम कर रहा है। वायरस का जल्दी पता चलने से खतरनाक स्थिति टल गई।

बीमारी की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विजयन ने कहा कि वर्तमान में 994 लोग निगरानी में हैं। 304 लोगों के नमूने एकत्र किए गए और इनमें से 267 लोगों के परीक्षण परिणाम प्राप्त हो गए हैं। उन्होंने कहा कि छह लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई और नौ लोग कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में निगरानी में हैं।

केरल में महिला नेताओं, उनके रिश्तेदारों के ऑनलाइन उत्पीड़न के मामले बढ़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीशन ने मंगलवार को उन पुजारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की, जिन्होंने हाल ही में कन्नूर जिले के एक मंदिर में आयोजित समारोह के दौरान जाति के आधार पर देवस्वोम मंत्री के. राधाकृष्णन के साथ कथित तौर पर भेदभाव किया था।

कांग्रेस के नेता सतीशन ने कहा कि अगर कोई वाइकोम सत्याग्रह के 100 साल बाद अस्पृश्यता को वापस लाने की कोशिश कर रहा है, तो इसे बहुत गंभीरता से लेना होगा और सरकार को संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी होगी। सतीशन ने घटना को 'स्तबधकारी और दुर्भाग्यपूर्ण' करार देते हुए पूछा कि मंत्री ने इस बात को इतने लंबे समय तक क्यों छिपाया। सतीशन ने कहा, उन्होंने (मंत्री ने) सार्वजनिक सभा में इसका खुलासा किया। मेरा सुझाव है कि सरकार को संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि 100 साल पहले हमने पिछड़े समुदायों, दलित समुदायों के लिए वाइकोम सत्याग्रह किया था। 1936 में केरल के पिछड़े और दलित समुदाय के लोगों को मंदिरों में प्रवेश की अनुमति दी गई थी। अनुसूचित जाति समुदाय से संबंध रखने वाले राधाकृष्णन ने कहा कि मंदिर के दो पुजारियों ने उन्हें वह 'दीपक' सौंपने से इनकार कर दिया, जो वे उद्घाटन के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर मुख्य दीप प्रज्ज्वलित करने के लिए लाए थे।

मंत्री ने आरोप लगाया कि इसके बजाय उन्होंने खुद मुख्य दीप प्रज्ज्वलित किया और उसके बाद, उन्होंने 'दीपक' को जमीन पर रख दिया, यह सोचकर कि वह इसे उठा लेंगे और मुख्य दीप प्रज्ज्वलित कर देंगे।

बारसा सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चिकपेट जैन संघ में सोहन हॉल में विराजित पंन्यासश्री जयभानुशेखरविजयजी म. सा. ने पर्युषण के दौरान भक्ति का समा बांधा। जिससे एक पुण्यशाली 54 वर्ष की उम्र में पहला उपवास किया और आठ दिनों तक बेसन का त्याग किया। आदिनाथ श्रीसंघ के पदाधिकारियों ने लाभार्थी परिवार को श्रीसंघ का बारसा सूत्र सुपुर्द किया, ओर संघ का बारसा सुत्र श्रीमान महेन्द्र कुमार वस्तीमलजी सोलंकी के पुत्र तुषार के सिद्धीतप आराधना निमित्त उनके निवास पर बाजते गाजते ले ज़ाया गया एवं रात्रि में श्री विजय लब्धि सूरी जैन संगीत मंडल द्वारा भक्ति भावना हुई।

हिमाचल प्रदेश के विधायक की मांग, राजधानी को शिमला से कहीं और स्थानांतरित किया जाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। देहरा से निर्दलीय विधायक होशियार सिंह ने मंगलवार को राजधानी को शिमला से स्थानांतरित करने की वकालत करते हुए तर्क दिया कि शहर प्रकृति की अनिश्चितताओं का सामना करने के लिहाज से बेहद संवेदनशील है और अगर भूकंप आया तो यह बर्बाद हो जाएगा।

केंद्र से राज्य की बाढ़ को प्राकृतिक आपदा घोषित करने की मांग पर केंद्रित एक प्रस्ताव पर बहस में भाग लेते हुए होशियार सिंह ने कहा, क्या शिमला सुरक्षित है? नहीं, यह सुरक्षित नहीं है। स्मार्ट राजधानी के बारे में सोचिए तथा सभी सरकारी कार्यालयों को शिमला से बाहर ले जाइए। यदि साढ़े पांच से साढ़े छह तीव्रता का भूकंप आया गया तो शिमला में कुछ भी नहीं बचेगा। उन्होंने एक ऐसी नीति तैयार करने की मांग की जिससे सरकारी एवं निजी दोनों तरह के सभी भवनों का अनिवार्य रूप से बीमा किया जाए। विधायक ने आपदाओं से निपटने तथा ऐसे वक्त में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के वास्ते राज्य में आरक्षित बल को प्रशिक्षण देने का भी आह्वान किया। होशियार सिंह ने कहा कि शिमला में विनाश की एक बड़ी वजह पुराने पेड़ हैं और उन्होंने उन्हें काटने की मांग की।

जियो ने आठ शहरों में जियो एयरफाइबर पेश करने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने मंगलवार को आठ महानगरों में अपनी बहुप्रतीक्षित 5जी होम ब्रॉडबैंड सेवा जियो एयरफाइबर पेश करने की घोषणा की। ये शहर अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने पिछले महीने कंपनी की 46वीं सालाना आमसभा में यह घोषणा की थी। कंपनी ने कहा कि जियो एयरफाइबर शिक्षा, स्वास्थ्य, निगरानी और अपने अन्य समाधान के जरिये लाखों घरों को विश्व स्तरीय डिजिटल मनोरंजन, स्मार्ट होम सेवाओं और ब्रॉडबैंड की पेशकश करेगी।

कंपनी ने बयान में कहा, दुनिया के सबसे बड़े निजी मोबाइल डेटा नेटवर्क जियो ने आज आठ महानगरों में घरेलू मनोरंजन, स्मार्ट होम सेवाओं और उच्च-गति ब्रॉडबैंड के लिए अपने एकीकृत समाधान जियो एयरफाइबर सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की। जियो का ऑप्टिकल फाइबर बुनियादी ढांचा पूरे भारत में 15 लाख किलोमीटर से अधिक तक फैला हुआ है। इसकी व्यापक ऑप्टिकल-फाइबर उपस्थिति जियो को 20 लाख से अधिक परिसरों के करीब लाती है। इसके बावजूद देश के ज्यादातर हिस्सों में दूरदराज तक 'कनेक्टिविटी' देना काफी कठिन है। ऐसे में लाखों संभावित ग्राहक होम ब्रॉडबैंड से वंचित रह जाते हैं। बयान के अनुसार, जियो एयरफाइबर इस परेशानी को दूर करेगी और कनेक्टिविटी में तेजी लाने में मदद करेगी।

दपरे के हुब्बल्ली मंडल ने 'स्वच्छता पखवाड़ा' शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुब्बल्ली मंडल ने स्वच्छता पखवाड़ा शुरू किया है, जो 16 सितंबर से से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इस अवसर पर दपरे के अतिरिक्त महाप्रबंधक यू सुब्बा राव ने एसएसएस हुब्बली रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई।

हुब्बली के केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2 के विद्यार्थियों ने स्वच्छता के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए लघु नाटिका प्रस्तुत की। वहीं, स्टेशन प्लेटफॉर्म पर यात्रियों को कपड़े के थैले वितरित किए गए। हुब्बली मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे, अपर मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा, वरिष्ठ मंडल मैकेनिकल इंजीनियर-पर्यावरण एवं हाउस कीपिंग प्रबंधन एके त्रिपाठी और अन्य लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इसी तरह का अभियान हुब्बली मंडल के सभी स्टेशनों, कॉलोनियों, कार्यालयों, जैसे धारवाड़, बेलगावी, वास्को डी गामा, होसपेटे, बल्लारी, विजयपुरा, गदग, बागलकोट आदि में भी चलाया जा रहा है।

इंडिगो ने उड़ानों में कैन में पेय पदार्थ देना बंद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडिगो ने मंगलवार को कहा कि उसने उड़ानों में कैन में पेय पदार्थ देना बंद कर दिया है और यात्रियों के पास कोई भी स्नैक खरीदने पर साथ में जूस या कोक का एक गिलास पाने का विकल्प है। भाजपा सदस्य और पूर्व राज्यसभा सदस्य स्वपन दासगुप्ता ने शिकायत की थी कि इंडिगो की उड़ान में कोई शीतल पेय नहीं खरीद सकता है और एयरलाइन को सभी प्रकार की अतिरिक्त सुविधाओं के जरिये यात्रियों पर दबाव डालना बंद करना चाहिए।

इस पर इंडिगो के एक प्रवक्ता ने कहा कि एयरलाइन ने बेहतर और किफायती खानपान अनुभव देने के लिए अपनी सेवाओं में सुधार किया है। प्रवक्ता ने बयान में कहा, यह पहल पर्यावरण के लिए हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है, क्योंकि इससे हजारों कैन के डिब्बों को फेंकने से बचाया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि उसने कैन में पेय पदार्थ परोसना बंद कर दिया है। गुप्ता ने नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को टैग करते हुए एक्स (पूर्व में ट्वीटर) पर लिखा, इंडिगो की उड़ान के दौरान सिर्फ शीतल पेय नहीं खरीद सकते। एयरलाइन ने स्नैक खरीदना भी अनिवार्य कर दिया है, भले ही आप इसे चाहते हों या नहीं। यह जबर्दस्ती है और मैं मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से आग्रह करता हूं कि उड़ान भरने वालों की पसंद के सिद्धांतों को बहाल करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का संघीय ढांचा दिनोंदिन हो रहा है कमजोर : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सरकार को विपक्ष के साथ मिलकर काम करने की नसीहत देते हुए नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का संघीय ढांचा दिनों दिन कमजोर होता जा रहा है।

नए संसद भवन में राज्यसभा की पहली बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कांग्रेस की पिछली सरकारों को श्रेय नहीं देते। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक 2010 में ही पारित हो गया था लेकिन उसमें बाधा आ गई और वहीं रूक गया।

खरगे ने मणिपुर हिंसा के मामले में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उच्च सदन में कोई बयान नहीं देने को लेकर उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री इतने मजबूत हैं कि एक-एक घंटा, दो-दो घंटा, तीन-तीन घंटा बोलेंगे और हर दिन बोलेंगे लेकिन मणिपुर पर नहीं बोलेंगे...। इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि उन्होंने सदन में मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए कई बार प्रयास किया और सदस्यों को मौके दिए गए लेकिन

सदस्यों ने दिए गए मौकों का उपयोग नहीं किया। गौरतलब है कि संसद के मानसून सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए लोकसभा में मणिपुर के मुद्दे पर सरकार का पक्ष रखा था। किंतु इस मुद्दे पर राज्यसभा में लगातार गतिरोध बना रहा था क्योंकि विपक्ष कार्यस्थगन प्रस्ताव वाले नियम 267 के तहत इस विषय पर चर्चा कराना चाहता था।

खरगे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार सिर्फ लोकतंत्र की बात करती है लेकिन कई राज्यों में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को उसने गिरा दिया। खरगे ने कहा कि कुछ राज्यों को जीएसटी, मनरेगा, कृषि, सिचाई सहित विभिन्न कार्यक्रमों की अनुदान राशि समय से नहीं मिलती है। उन्होंने सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या इससे ऐसे राज्य कमजोर नहीं होंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खरगे का प्रतिवाद करते हुए कहा कि उनका बयान तथ्यात्मक रूप से गलत है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने उधार लेकर राज्यों को जीएसटी का भुगतान किया है। उन्होंने कहा कि राज्यों को हर बार एक दो महीने एडवांस में भी जीएसटी का भुगतान किया गया। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी राज्य का कोई भी जीएसटी पैसा केंद्र पर बकाया नहीं है। इस मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच नोंकझोक के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने दोनों नेताओं को अपने बयानों को अभिप्रमाणित करने का निर्देश दिया और कहा कि वे आज ही अपने दावों के समर्थन में संबंधित दस्तावेज सदन के पटल पर रखेंगे।

तमिलनाडु के साथ कावेरी जल विवाद को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप करें प्रधानमंत्री : डी के शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने के कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) के निर्देश के बाद राज्य मुश्किल 'स्थिति' में है। उन्होंने तमिलनाडु के साथ कावेरी जल विवाद को सुलझाने के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की। कर्नाटक के जल संसाधन मंत्री शिवकुमार ने विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), इसके नेताओं और संसद सदस्यों से आग्रह किया कि वे कर्नाटक को इस संकट से उबारने के लिए प्रधानमंत्री से आग्रह करें। उन्होंने कहा कि वह मौजूदा संसद सत्र के दौरान सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों से मिलने के लिए दिल्ली जाएंगे।

शिवकुमार ने इस सप्ताह के अंत में सुनवाई के लिए उच्चतम न्यायालय में आने वाले मामले के मद्देनजर कानूनी टीम की सलाह का हवाला देते हुए तमिलनाडु को पानी छोड़ने के राज्य के फैसले का भी बचाव किया। इस सुनवाई के दौरान सीडब्ल्यूएमए के आदेशों का अनुपालन न करने को गंभीरता से लिया जा सकता है। सीडब्ल्यूएमए ने सोमवार को कर्नाटक से अगले 15 दिन तक तमिलनाडु को 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ना जारी रखने को कहा।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने कहा, 'हम मुश्किल और दुविधा की स्थिति में हैं, हमारे पास पानी नहीं है, लेकिन फिर भी हमें सीडब्ल्यूएमए के आदेश का सम्मान करना होगा, चाहे इसका निर्णय कुछ भी हो। हम शीर्ष अदालत के समक्ष अपील कर रहे हैं। मैं सांसदों से मिलने के लिए दिल्ली जा रहा हूं, हम केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के

पास एक प्रतिनिधिमंडल भी ले जाएंगे, हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी हस्तक्षेप करने और हमें इस स्थिति से बाहर निकालने का अनुरोध किया है।'

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'अगर हमारे पास पानी होता, तो हमें तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने में कोई आपत्ति नहीं होती। हमें बहुत मुश्किल हो रही है। मुझे लगता है कि केंद्र सरकार को हमारी मदद करनी होगी। कर्नाटक को बचाने के लिए राज्य के भाजपा नेतृत्व को हमारे साथ आना होगा।'

सीडब्ल्यूएमए का यह निर्देश कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) द्वारा पिछले सप्ताह की गई सिफारिश के बाद आया है, जिसमें कर्नाटक को अगले 15 दिन के लिए तमिलनाडु को प्रत्येक दिन 5,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का सुझाव दिया गया था। इस बीच, मंड्या और कावेरी बेसिन क्षेत्र के अन्य इलाकों में किसानों के विरोध के बावजूद, कृष्णा राजा सागर (केआरएस) बांध से पानी छोड़े जाने की खबरें हैं।

तमिलनाडु को पानी न छोड़ने के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के सुझाव और राज्य सरकार को कानूनी लड़ाई के लिए तैयार रहने के लिए कहने के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, 'हम इस सुझाव पर गंभीरता से विचार करेंगे, लेकिन उनके सुझावों का उद्देश्य हमें राजनीतिक रूप से, अदालत में मुश्किल में डालना है। हम इस मामले को लेकर कानूनी रूप से अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।' उपमुख्यमंत्री ने जानना चाहा कि राज्य में सत्ता में रहते हुए उन्होंने (भाजपा) इस मुद्दे पर क्या किया।

बोम्मई ने पलटवार करते हुए कहा कि खुद को बचाने के लिए कांग्रेस सरकार के हर कदम ने राज्य के किसानों और आम लोगों को परेशानी में डाल दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने (शिवकुमार) ने कहा कि 'अगर हम पानी नहीं छोड़ेंगे तो उच्चतम न्यायालय हमें फटकार लगा सकता है, वकील इसी तरह सलाह देते हैं, हमारे समय में भी, लेकिन हमने अदालत में पुनर्विचार याचिका दायर की थी, बदलाव किए थे।'

शीघ्र बंद होंगे हुक्का बार

बेंगलूरु। राज्य सरकार ने कर्नाटक में हुक्का बार को निषेध करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को एक बैठक में स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव और क्रीडा व युवा सशक्तिकरण मंत्री बी नागेन्द्र आदि ने हुक्का बार को लेकर चर्चा की। उनका मानना है कि हुक्का बार के चलन के कारण युवा और बच्चों में दुष्परिणाम देखने को मिल रहा है। इसे नियंत्रण करने के लिए सरकार ने अनेक कदम उठाए परन्तु कोई विशेष फर्क नहीं पड़ा।

अत: हुक्का बार को सम्पूर्ण रूप से प्रतिबंध करने का एक मात्र उपाय सूझा। बैठक में सभी ने यह निर्णय लिया कि इसे बंद किया जाए। इसे बंद करने के लिए शीघ्र ही एक कानून लाया जाएगा।

साथ ही मंदिर, चर्च, मस्जिद और अस्पताल के आसपास तम्बाकू की वस्तुएं बेचने पर निषेध है। तम्बाकू 18 साल से ऊपर के उम्र के ही खरीद सकते हैं इसमें भी बदलाव कर 21 वर्ष उम्र की जाएगी। इसके लिए एक विधेयक लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पर कैबिनेट में निर्णय लिया जाएगा।

वहीं पुलिस आयुक्त दयानंद ने बताया कि पब्लिक जगहों पर धूम्रपान करना नहीं चाहिए। अगर ऐसा कोई करता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

पयुर्षण महान पर्व पर सकल संघ से मिच्छामि दुक्कड़म्
वरिष्ठ मार्गदर्शक : दलपतराज बाफना
● चम्पालाल गादिया – अध्यक्ष
● महावीर मेहता – मंत्री
● नीतेश सतावत – सहमंत्री
–दिनेश तातेड़ – महावीर ताल – सुरेश राठौड़
–विमल चौहान –मुकेश वाणीगोता –उत्तमचन्द
–सुरेश कुमार –रवि मकरानी –दिनेश चौहान
–जेठमल कोठारी –राजू मकरानी –वसंतकुमार
–कमलेश टापराणी – हेमन्त चौहान –भंवरलाल सोनीगरा
– दिनेश बाफना –हितेश बालर –श्यामलाल बीकानेर
–भरत – सूर्यांश –गौरव – पूजा लुणिया
– पंकज सोनीगरा
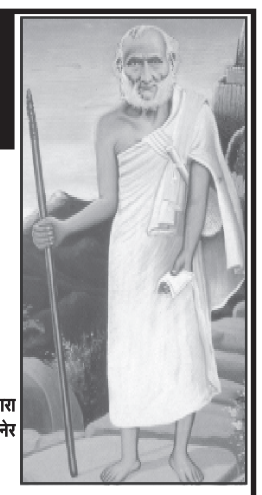
समस्त पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं सदस्यगण
श्री सीमंधर स्वामी राजेन्द्र सूरी जैन आरती मंडल, एस वी लेन, मामुलपेट, बंगलौर

कभी सोचा नहीं था कि अपने जीवनकाल में नया संसद भवन देखूंगा : एच डी देवेगौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। संसद का कामकाज मंगलवार से नये भवन से शुरू होने के बीच वरिष्ठतम सांसदों में शामिल पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने अपने युवा साथियों को सलाह दी कि संसद का इस्तेमाल बहस के लिये किया जाये न कि विरोध के मंच के रूप में। साथ ही उन्होंने युवा साथियों से पूरी तैयारी के साथ सदन में सारगर्भित चर्चा के लिए आने को कहा। जनता दल एस (जदएस) के शीर्ष नेता देवेगौड़ा (90) ने सुझाव दिया कि बड़े राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को राष्ट्र एवं उसके लोकतंत्र के तौर पर भारत की प्रगति में छोटे, क्षेत्रीय दलों तथा निर्दलीय सदस्यों के योगदान को स्वीकार करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संसद को कभी भी गरीबों, किसानों, दबे–कुचले वर्गों, अल्पसंख्यकों आदि को नहीं भूलना चाहिए और उम्मीद जतायी कि नयी संसद का 90 प्रतिशत समय उनकी

जरूरतों एवं उनके विकास के विषय पर चर्चा में बीतेगा। कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य देवेगौड़ा ने एक बयान में कहा, आज हम पुराने संसद भवन से नये संसद भवन में चले गये हैं। नये भवन में हम पुराने भवने की ढ़ेर सारी यादें ले जा रहे है, अपने महान लोकतंत्र की भावना भी नये भवन में ले जा रहे हैं। कर्नाटक में मुख्यमंत्री और बाद में दिल्ली में प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि राजनीति में इतने लंबे समय तक वह रहेंगे, उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अपने जीवनकाल में वह नया संसद भवन देखेंगे। उन्होंने कहा, 'यह राष्ट्र की सतत प्रगति और प्रगाढ़ होते उसके लोकतंत्र का संकेत है।'

देवेगौड़ा ने कहा, 'नये भवन में चले जाने के मौके पर वरिष्ठतम सदस्यों में एक होने के नाते मैं अपने युवा साथियों से चार बातें कहना चाहूंगा।' पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद का उपयोग प्रदर्शन करने के मंच के तौर पर नहीं बल्कि बहस के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने पूरे विधायी करियर के दौरान वह एक बाद थोड़े समय के लिए सदन में आसन के पास चले गये थे और उन्हें अपने उस फैसले पर बड़ा अफसोस हुआ।

उन्होंने सांसदों से कहा कि संसद के पुस्तकाल का उपयोग कीजिए। उन्होंने कहा, 'अपने विधायी इतिहास को समझने का प्रयास कीजिए। जब मैं 1991 में दिल्ली आया था, मेरे मित्र नहीं थे, अभी भी अधिक नहीं है, तब मैं पुस्तकालय में अध्ययन में अपना सारा समय बिताता था। मैं जब 1962 में कर्नाटक विधानसभा में पहुंचा था, तब भी मैंने यही किया था।

रक्षा क्यूआर लांच

बेंगलूरु में हाईवे डिलाइट ने एक आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता उत्पाद, रक्षाक्यूआर लॉन्च किया है, जहां आसपास खड़े लोग दुर्घटना पीड़ित वाहन के रक्षाक्यूआर को स्कैन कर सकते हैं और कॉल के माध्यम से पीड़ित के परिवार के व्यक्ति को दुर्घटना की रिपोर्ट कर सकते हैं। कॉल एक वर्चुअल नंबर पर कनेक्ट होगी, जिससे सूचना देने वाले और पीड़ित के परिवार के व्यक्ति दोनों की गोपनीयता बनी रहेगी। इस दुर्घटना रिपोर्ट कॉल के समय, हाईवे डिलाइट स्थान इनपुट लेता है और उनकी बैकएंड कॉल कैंटर टीम जानकारी को निजी रखते हुए नजदीकी अस्पतालों और पुलिस स्टेशन को सूचित करती है। रक्षाक्यूआर वाहन मालिकों को हाईवे डिलाइट के साथ पंजीकरण करने और रक्त समूह, वाहन बीमा, चिकित्सा बीमा और पारिवारिक आपातकालीन विवरण सहित अपनी व्यक्तिगत जानकारी जोड़ने में सक्षम बनाता है। यह सभी जानकारी सुरक्षित और एन्क्रिप्टेड है और दुर्घटना सूचना कॉल के मामले में या पंजीकृत वाहन मालिक को उनके रक्षाक्यूआर प्रोफ़ाइल के हिस्से के रूप में एसएमएस के माध्यम से केवल पारिवारिक आपातकालीन संपर्क के लिए दृश्यमान है।

विषाणु संक्रमण के बाद सात तेंदुआ शावकों की मौत

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बन्नेरघट्टा जैव उद्यान में एक अत्याधिक संक्रामक वायरस से संक्रमित होने के कारण सात तेंदुआ शावकों की मौत हो गयी । अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फेलाइन पैनल्यूकोपेनिया बिल्लियों को होने वाली एक विषाणु जनित बीमारी है जो फेलाइन पार्वोवायरस से फैलती है। उन्होंने कहा कि बिल्ली के बच्चे इससे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। अधिकारियों के अनुसार पहली बार इस बीमारी के मामले 22 अगस्त को सामने आये थे ।

क्षमा वीरस्य भूषणम्
मिच्छामी दुक्कड़म
संवत्सरी महापर्व के उपलक्ष्य में हम सभी अपनी भूलों के लिए आप सभी से क्षमा चाहते हैं । यदि हमने जाने–अनजाने आपके मन को ठेस पहुंचाई हो या ठेस पहुंचाने का भाव भी मन में आया हो तो आज हम मन, वचन और काया से आपसे क्षमा मांगते हैं।
क्षमाप्रार्थी
तारामणि–भैरोदान, प्रेमलता–गुलाबचंद,
डॉ नीलेश–स्वीटी, निशांत–खुशबू, प्रशांत–विनिता,
नीति, मिति, नींव, अविशा, आर्यव एवं पगारिया परिवार
निशा–सचिनजी बाफना, प्रेरणा–संजयजी दरड़ा,
प्रणिता–मोहितजी मरलेचा, श्रेष्ठा, सक्षम दरड़ा, युवांश मरलेचा
प्रतिष्ठान: प्रेम इन्वेस्टमेन्टस्
गोकुल टावर, नं. 19/1, छठवां मैन, गांधीनगर,
बंगलौर-560 009 फोन : 22252225 फोन : 94483 62510

सिद्दरामैया कर्नाटक के सांसदों-मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में कर्नाटक से संबंध रखने वाले सभी सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों के साथ बैठक करके राज्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिनमें विशेष रूप से पड़ोसी तमिलनाडु के लिए कावेरी नदी का जल छोड़े जाने का मुद्दा शामिल है। बैठक में कई रुकी हुई विकास परियोजनाओं और केंद्र की मंजूरी का इंतजार कर रही परियोजनाओं पर चर्चा होने की संभावना है। इस दौरान मुख्यमंत्री राज्य से संबंध रखने वाले केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों से कावेरी मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत सरकार का ध्यान दिलाने का अनुरोध करेंगे।

बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने सोमवार को कर्नाटक से तमिलनाडु को अगले 15 दिन तक 5,000 क्यूसेक पानी देते रहने के लिए कहा है।

व्हाट्सएप पर 'तीन तलाक' देने पर विदेश में रहने वाले शख्स के खिलाफ एफआईआर

दक्षिण कन्नड़/दक्षिण भारत। कर्नाटक पुलिस ने विदेश में रहने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ व्हाट्सएप पर अपनी पत्नी को तीन तलाक संदेश भेजने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। मामला सुलिया थाने में दर्ज कराया गया है। सुलिया के जयनगर की रहने वाली मिस्रिया ने इस संबंध में अपने पति अब्दुल रशीद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के मुताबिक, केरल के त्रिशूर के रहने वाले रशीद ने सात साल पहले मिस्रिया से शादी की थी। दंपति की दो बेटियां हैं। आरोपी दो साल पहले अपनी पत्नी मिस्रिया को विदेश ले गया था। फिर वह उसे अपने दूसरे बच्चे की डिलीवरी के लिए वापस ले आया। लेकिन छह महीनों में दंपति में मतभेद हो गए, जिन्हें दोनों परिवारों ने सुलझाने की कोशिश की। लेकिन, शख्स ने अपनी पत्नी को व्हाट्सएप पर तीन तलाक का मैसेज भेज दिया।

मिच्छामी दुक्कड़म
संवत्सरी महापर्व के उपलक्ष्य में हम सभी अपनी भूलों के लिए आप सभी से क्षमा चाहते हैं। यदि हमने जाने–अनजाने आपके मन को ठेस पहुंचाई हो या ठेस पहुंचाने का भाव भी मन में आया हो तो आज हम मन, वचन और काया से आपसे क्षमा मांगते हैं।

हमारे संघ के सुमतिवल्लभ नॉर्थटाउन जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित
आचार्यश्री देवेन्द्रसागरसूरीश्वरजी
के चरणों में कोटिश नमन
क्षमाप्रार्थी
समस्त ट्रस्टीगण
श्री सुमतिवल्लभ नॉर्थटाउन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ
चेन्नई-तमिलनाडु

भाजपा विधायक टिकट घोटाला

कर्नाटक पुलिस ने ओडिशा में धार्मिक संत को किया गिरफ्तार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की स्पेशल विंग के अधिकारियों ने ओडिशा में भाजपा विधायक टिकट घोटाले के सिलसिले में फरार धार्मिक संत अभिनव हलश्री को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी चैत्रा कुंदापुरा एक हिंदू कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने हिरासत में रहते हुए मीडिया से कहा था कि एक बार अभिनव हलश्री को गिरफ्तार कर लिया जाएगा, तो घोटाले के संबंध में भाजपा में बड़ी मछलियों की संलिप्तता सामने आ जाएगी। दस दिन बाद भी संत की गिरफ्तारी न होने से जांच पर सवाल खड़े होने लगे। पुलिस के मुताबिक, संत को सोमवार रात स्थानीय पुलिस की मदद से ओडिशा के कटक शहर से गिरफ्तार किया गया। संत भुवनेश्वर शहर से बोधगया जाने वाली ट्रेन में यात्रा कर रहा था। आरोपी संत को बेंगलूरु लाया जाएगा। हलश्री पर उद्योगपति गोविंद बाबू पुजारी से दक्षिण कन्नड़ जिले के बैंदुरु विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक का टिकट दिलाने का वादा करके 1.5 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। उसने घोटाले की मुख्य आरोपी चैत्र कुंदापुरा के साथ एक गिरोह बनाया। सूत्रों ने बताया कि हलश्री ने भगवा पोशाक छोड़कर टी–शर्ट पहन रखी थी और एक सामान्य व्यक्ति की तरह ट्रेन में यात्रा कर रहा थे। 12 सितंबर को कुंदापुरा की गिरफ्तारी के बाद वह गायब हो गया था। पीड़ित ने 8 सितंबर को शिकायत दर्ज कराई थी। जब कुंदापुरा को उडुप्पी में गिरफ्तार किया गया तो वह एक बैठक में भाग ले रहा था और वह कार्यक्रम छोड़कर छिप गया। वह काशी पहुंचने की योजना बना रहा था। वह हैदराबाद, फारुकाबाद, पुरी और कोणार्क गया था। जांच से पता चला है कि आरोपी संत ने कृषि भूमि खरीदी थी और एक पेट्रोल बंक में भी निवेश किया था। इस बीच, उडुप्पी की कुंदापुरा के खिलाफ बीजेपी कार्यकर्ता सुधीन ने कोटा पुलिस स्टेशन में एक और एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप है कि कुंदापुरा ने शिकायतकर्ता से उसके लिए एक दुकान बनवाने का वादा करके 5 लाख रुपये लिए थे। जब उनसे इस बारे में कहा गया तो कुंदापुरा ने उसे झूठे बलात्कार और हत्या करने की धमकी देने के मामले में फंसाने की धमकी दी थी।

भारतीय विश्वविद्यालयों में अनुसंधान एवं विकास संस्कृति पिछड़ रही है : माधवन नायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अनुभवी अंतरिक्ष वैज्ञानिक जी. माधवन नायर ने कहा है कि भारत के विश्वविद्यालय अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) संस्कृति में पिछड़ रहे हैं। साथ ही उन्होंने उद्योगों से वित्त पोषण करने का आग्रह किया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष ने इसरो वैज्ञानिकों के लिए बेहतर वेतन की वकालत करते हुए कहा कि इसे किसी अन्य सरकारी विभाग की तरह नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि उद्योगों को इसरो के कार्यक्रमों और परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए बड़े पैमाने पर आगे आना होगा।

नायर ने सोमवार को कहा, हमारे संस्थानों में अनुसंधान एवं विकास संस्कृति काफी पिछड़ रही है। विश्वविद्यालय इसके लिए अच्छी सुविधाओं और संसाधनों की कमी को जिम्मेदार मानते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे देशों में विश्वविद्यालयों में अनुसंधान एवं विकास के लिए धन निजी उद्योगों से आता है, जो प्रयोगशालाओं और प्रतिभाशाली लोगों में भारी निवेश करते हैं और उन्हें अच्छी परियोजनाओं में मौका देते हैं।

नायर ने कहा, इस तरह, (उन) विश्वविद्यालयों में अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहित किया जाता है। सरकार अकेले वह काम (आर एंड डी वित्त पोषण) नहीं कर सकती। इसरो निश्चित रूप से

एक खुली नीति का पालन कर रहा है और वे विश्वविद्यालयों के समाधान के लिये समस्याओं को साझा कर रहा है और उनमें से कुछ समाधान भी सामने आए हैं, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि इसरो सही रास्ते पर है, सरकार भी अच्छा सहयोग दे रही है और वह इससे खुश हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि उद्योग इसके लिये आगे नहीं आ रहे हैं और चुनौतियों का सामना नहीं कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि इसरो वैज्ञानिकों के लिए प्रोत्साहन पैकेज बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमे अच्छा प्रदर्शन करने वालों की पहचान करनी चाहिए, नकद प्रोत्साहन के साथ पुरस्कार उन्हें ज्यादा प्रोत्साहित करेगा।

नायर ने कहा 'वे इसे (इसरो को) किसी अन्य सामान्य विभाग की तरह नहीं मान सकते। अगर आप मुझसे पूछे तो पूरी सरकार में यह शीर्ष, सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाला विभाग है। इसलिए, स्वभाविक तौर पर उनके साथ विशेष व्यवहार किया जाना चाहिए।'

" खामेमि सव्व जीवे सव्वे जीवा खमतुं में, मित्ति में सव्व भुएसु, बैंर मंज्झंन केणाई "
संवत्सरी महापर्व के उपलक्ष्य में हम सभी अपनी भूलों के लिए आप सभी से क्षमा चाहते हैं। यदि हमने जाने–अनजाने आपके मन को ठेस पहुंचाई हो या ठेस पहुंचाने का भाव भी मन में आया हो तो आज हम मन, वचन और काया से आपसे क्षमा मांगते हैं।
आप सभी को मिच्छामी दुक्कड़म
क्षमाप्रार्थी
पारसमल निर्मलकुमार गजेशकुमार मानव भंडारी
ADISHWAR राजस्थान में मारवाड़ जंक्शन ADISHWAR
ADISHWAR INDIA LIMITED
Registered Office: # 85, 59TH CROSS, 4TH BLOCK, RAJAJINAGAR, Bangalore-560010, Ph 080-40733999
Email: info@adishwarindia.com, Web: www.adishwarindia.com

जैसलमेर जिले में मंत्री शालेह मोहम्मद ने किया विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। अल्पसंख्यक मामलात मंत्री शालेह मोहम्मद ने जैसलमेर जिले के पोकरण विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने फलसूंड में राजकीय महाविद्यालय भवन का शिलान्यास किया वहीं उन्होनें नवक्रमोन्नत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का उद्घाटन के साथ ही विज्ञान लैब का लोकार्पण भी किया।

मोहम्मद ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पोकरण विधानसभा क्षेत्र में विकास के नये आयाम स्थापित हुए है। उन्होंने कहा कि फलसूंड में राजकीय महाविद्यालय के भवन के निर्माण होने से इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा अर्जित करने का अवसर मिलेगा वहीं बालिका विद्यालय के क्रमोन्नत होने से बालिकाओं को भी शिक्षा की सुविधा मिलेगी एवं इससे शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार होगा।

उन्होंने अपने दौरे के दौरान नवक्रमोन्नत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गोमानियों कुम्हारों की ढाणी का उद्घाटन कर जनता को समर्पित किया वहीं गोमानियों कुम्हारों की ढाणी मिसिंग लिंक सडक का शिलान्यास किया इसके साथ ही उन्होंने धर्मासर में नवक्रमोन्नत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय का उदघाटन किया व ग्राम धर्मासर की डामर सड़क का लोकार्पण किया। ग्रामीणों ने इसके लिए अल्पसंख्यक मामलात मंत्री का आभार जताया। मोहम्मद ने ग्रामीणों की परिवेदनाएं भी सुनी एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इनका निस्तारण करें। उन्होंने क्षेत्र में पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का भी ग्रामीणों से फीडबैक लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री की पहल पर चलायी गई 10 योजनाओं का लाभ मिला उसकी भी जानकारी ग्रामीणों से ली एवं कहा कि वे योजनाओं का लाभ प्राप्त कर अपने जीवन स्तर को सुधारें। इस मौके पर जन प्रतिनिधी,संबंधित अधिकारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

राजस्थान के कामां में 26 उंगलियों वाली बच्ची का जन्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के डीग जिले के कामां कस्बे में एक दुर्लभ मामले में कुल 26 उंगलियों वाली एक बच्ची का जन्म हुआ। नवजात के दोनों हाथों में सात-सात उंगलियां और पैरों में छह-छह उंगलियां हैं। मां सरजू देवी और बच्ची स्वस्थ हैं। चिकित्सक के अनुसार, अतिरिक्त उंगलियां आनुवंशिक विकार के कारण होने वाली एक दुर्लभ स्थिति मानी जाती है जबकि उसके परिवार के सदस्यों का मानना है कि नवजात शिशु उन देवी का अवतार है जिनकी वे पूजा करते हैं। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, बच्ची का जन्म कल रात कामां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुआ। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सक डॉ बी एस सोनी ने बताया, लड़की के दोनों हाथों में सात-सात उंगलियां हैं और पैरों में छह-छह। इस स्थिति को पॉलीडेक्टाइली कहा जाता है, जो दुर्लभ है लेकिन इसका शरीर पर दुष्प्रभाव नहीं होता है। नवजात के मामा दीपक ने बताया कि वह परिवार के लिए आशीर्वाद और देवी धोलागढ़ देवी का अवतार है। उन्होंने कहा, वह देवी के रूप में हमारे घर आई हैं। हम सभी भाग्यशाली हैं कि 'लक्ष्मी' ने हमारे परिवार में जन्म लिया है।'

इस बार देर से होगी मानसून की विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दोबारा सक्रिय हुए मानसून के कारण राजस्थान के अनेक इलाकों में बारिश का दौर जारी है और मौसम विभाग ने मानसून के इस बार देरी से विदा होने की संभावना जताई है। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार, सितंबर के आखिरी सप्ताह में पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधियां जारी रहने तथा राज्य से मानसून की विदाई देरी से होने की प्रबल संभावना है। आमतौर पर मानसून मध्य सितंबर तक राज्य से विदाई ले लेता है।

वहीं मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक, बीते चौबीस घंटे के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं कहीं भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम केंद्र के अनुसार, इस दौरान बाड़मेर के सिंदरी में आठ सेंटीमीटर, बाड़मेर के सिवाना में पांच सेंटीमीटर, जालौर के जसवंतपुरा में पांच सेंटीमीटर, डूंगरपुर के गणेशपुरा में पांच सेंटीमीटर और उदयपुर के झाड़ोल में पांच सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा बीकानेर, हनुमानगढ़, गंगानगर, प्रतापगढ़, धौलपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद सहित अनेक जिलों में बारिश हुई। मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य के ऊपर बना परिसंचरण तंत्र आज दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के ऊपर स्थित है तथा एक और नया परिसंचरण तंत्र बंगाल की खाड़ी में बना हुआ है।

मौसम केंद्र ने बताया कि इस तंत्र के कारण मंगलवार को जोधपुर व बीकानेर संभाग के कुछ भागों में बादल छाए रहने तथा रुक-रुक कर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश जारी रहने की सम्भावना है। उसके मुताबिक, वहीं जोधपुर, बीकानेर संभाग के ज्यादातर इलाकों में 20 सितंबर से बारिश की गतिविधियों में कमी होगी। इसके बाद आगामी दिनों में केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है।

मौसम केंद्र ने बताया कि इसी तरह पूर्वी राजस्थान के ज्यादातर भागों में आगामी दो-तीन दिन बारिश की गतिविधियों में कमी होगी। 22 सितंबर से पूर्वी राजस्थान के कोटा, उदयपुर, भरतपुर व जयपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश की गतिविधियां पुनः शुरू होने की संभावना है।

बारिश में कमरे की छत गिरने से दो किसानों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में केसरीसिंहपुर थाना क्षेत्र में पाकिस्तान सीमा के समीप चक 11-एस में खेत में बने एक कमरे की छत गिरने से उसमें सोए दो किसानों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि चक 11-एस में सुखदेवसिंह के खेत में हुए इस हादसे में मरने वालों की पहचान जगसीरसिंह जटसिख (50) तथा मलकीतसिंह बावरी (24) निवासी चक 01-एक्स के रूप में हुई है। आज सुबह सुखदेवसिंह खेत में गया तो उसे कमरे की छत गिरी दिखाई दी। छत के मलबे में दोनों के शव दबे पड़े थे। सुखदेवसिंह ने आसपास के खेतों में कम कर रहे लोगों तथा ग्रामीणों को बुलाया। मलबा हटाने पर दोनों ही मृत पाए गए।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस बीच दोनों मृतकों के परिवारजन मौके पहुंचे तो लाशें देखकर बदहवास हो गए। उनमें कोहराम मच गया।

कोटा में मानदंडों पर खरा उतरा चम्बल रिवर फ्रंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। मध्य प्रदेश में अपने उद्गमस्थल से राजस्थान में बहने वाली चंबल नदी पर बने चारों बांधों से पानी छोड़े जाने के बाद कोटा बैराज के निचले इलाके में बनने वाले जल प्लावन जैसे हालात में भी अपने स्थान पर अटल खड़े रहकर चंबल रिवर फ्रंट इसके निर्माता अभियंताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरा है। चम्बल नदी पर बने सबसे बड़े गांधी सागर बांध सहित चारों बांधो से गेट खोलकर जबरदस्त पानी की निकासी किए जाने के बावजूद कोटा बैराज के निचले इलाके में नदी के दोनों तटों पर विकसित किया गया चंबल रिवर फ्रंट अक्षुण खड़ा रहा और वह निर्माण की आधुनिक तकनीकी पर पूरी तरह से खरा उतरा। इसके अलावा चंबल रिवर फ्रंट की सुरक्षा के लिए खड़ी की गई सुरक्षा दीवार के कारण कोटा बैराज से पानी की निकासी के समय आमतौर पर बाढ़ के खतरे का सामना करने वाली निचले इलाके की कई बस्तियों को भी इस बार बाढ़ की आशंकाओं से पूरी तरह निजात दिला दी।

मध्य प्रदेश के मालवा अंचल में भारी बरसात के बाद जल ग्रहण क्षेत्र से भारी पानी की आवक होने के उपरांत शनिवार को इस मानसून सत्र में पहली बार चम्बल नदी पर बने सबसे बड़े 1312 फ़ीट की भराव क्षमता वाले गांधी सागर बांध से पानी की निकासी शुरू की गयी थी और कल तो पानी की आवक बहुत ज्यादा बढ़ जाने के कारण चारों बांधो गांधी सागर राणा, राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर और कोटा बैराज से भरपूर पानी की निकासी की गई। कोटा बैराज से तो देर रात को करीब पौने तीन लाख क्यूसेक तक पानी को छोड़ा गया था जो कोटा में बैराज के निचले हिस्से में विकसित किए गए में चंबल रिवर फ्रंट के 12 सितम्बर को लोकार्पण के बाद पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में जल की निकासी की गई थी लेकिन पानी की इस भारी निकासी के बावजूद चंबल नदी के दोनों छोर पर भव्य तरीके से विकसित किए गए विश्व स्तरीय चंबल रिवर फ्रंट अक्षुण खड़ा रहा जिसकी जमकर तारीफ की जा रही है ।

वैसे वर्ष 1960 में कोटा बैराज के निर्माण के बाद के इतिहास में अब तक इस बैराज से सबसे अधिक वर्ष 2019 सबसे अधिक पानी की निकासी की गई थी। तब कोटा बैराज के सभी गेट खोलकर सात लाख क्यूलेक के आसपास पानी छोड़ा गया था।उस समय भी कोटा बैराज के निचले क्षैत्र में टिपटा, पाटनपोल, मकबरा, घंटाघर, नयापुरा,दोस्तपुरा,ब्रजराजपुरा में बसी आवासीय बस्तियों के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर चले जाने के लिए कहा गया था। मंगलवार रात भी जब कोटा बैराज से ढाई लाख क्यूसेक से भी अधिक पानी की निकासी शुरू की गई तो निचले इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के अपील की गई जिनके लिए कुछ सरकारी इमारतों में रहने के प्रशासनिक स्तर पर व्यवस्था की गई थी। इन सबके बावजूद चम्बल नदी के दोनों किनारों पर बनाई गई सभी इमारतें, और यहां चम्बल नदी के तट पर बनाए गए सभी घाट न केवल सुरक्षित रहें बल्कि उन्हें पानी छू तक नहीं पाया। अधिकारिक स्तर पर यह बताया भी जाता रहा है कि जिस समय वर्ष 2019 में कोटा बैराज से सात लाख क्यूसेक पानी की निकासी की गई थी तब भी बैराज के निचले स्तर पर पानी 246.5 मीटर तक ही गया था जबकि चंबल रिवर फ्रंट पर करवाएगी निर्माण कार्य ढाई सौ मीटर ऊपर हैं इसलिए यह तो तय है कि निकट भविष्य में भी यदि कोटा बैराज के सभी गेट खोलकर पानी की निकासी की स्थिति बनी और अधिकतम पानी छोड़ा गया, तब भी चंबल रिवर फ्रंट के सभी घाट, इमारतें, स्मारक सुरक्षित ही रहने वाले हैं। इसके विपरीत चम्बल रिवर फ्रन्ट को विकसित करने का एक बड़ा फ़ायदा यह मिला है कि इसकी सुरक्षा के लिए बनाई गई दीवारों के कारण चम्बल नदी के किनारे बसी सभी बस्तियां बाढ़ से मुक्त हो चुकी है। कोटा बैराज से नयापुरा पुलिया तक 2.75 किमी की लम्बाई में चम्बल नदी के दोनों तटों पर 1400 करोड़ से अधिक की लागत से चम्बल रिवर फ्रन्ट विकसित किया गया है।

दलित कथा वाचक पर माफी मांगने का दबाव बनाने के मामले में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में एक दलित कथा वाचक पर माफी मांगने का दबाव बनाने के आरोप में चित्तौड़गढ़ जिले के पारसोली थाने में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। थानाधिकारी देवेन्द्र कुमार ने बताया कि कथा वाचक दूगार गांव निवासी डालू सालवी (70) ने पांच छह-माह पूर्व कथा के दौरान कथित रूप से गुर्जर समाज की महिला पर गलत टिप्पणी की थी जिसके बाद गुर्जर समाज के कुछ लोगों ने माफी मांगने के लिए उन पर दबाव बनाया था। इस सिलसिले में मामला दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि कथा वाचक डालू साल्वी की शिकायत के आधार पर रतनलाल गुर्जर, हजारी गुर्जर, उगमा गुर्जर सहित पांच लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 504 (डराना, धमकाना, उकसाना), 506 (धमकी देना), 143 (अवैध रूप से जमा होना) और एससी/ एसटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और इसकी जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें कथा वाचक गले में साफी डाले माफी मांगते दिख रहे थे जिसके बाद दलित संगठन के सदस्यों ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने बताया कि मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक बद्री नारायण राव कर रहे है।

बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-प्रथम का लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी ने आज बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-प्रथम के तहत रंगोली गार्डन क्षेत्र पेयजल वितरण पार्ट का लोकार्पण किया। डॉ. जोशी ने कृषि मंत्री एवं झोटवाड़ा विधायक लालचंद कटारिया के साथ पंप हाउस से पानी चलाकर रंगोली गार्डन वितरण क्षेत्र की 53 कॉलोनियों को पेयजल आपूर्ति की शुरूआत भी की।

लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जोशी ने कहा कि परियोजना का प्रथम चरण दिसम्बर तक पूरा होने के साथ ही पृथ्वीराज नगर की 1100 कॉलोनियों को बीसलपुर का पानी मिलने लगेगा। 747 करोड़ रूपए की लागत के बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-द्वितीय में भी पृथ्वीराज नगर एवं आसपास की करीब 2200 कॉलोनियों में बीसलपुर का पानी पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि परियोजना के फेज-प्रथम में तहत 563.93 करोड़ रूपए की लागत से बालावाला से लोहामंडी तक 44 किलोमीटर लम्बी टांसमिशन मेन लाइन, 51 किलोमीटर की राइजिंग मेन लाइन, करीब 970 किलोमीटर की डिस्ट्रीब्यूशन मेन लाइन और साथ ही, 9 स्वच्छ जलाशय मय पंप हाउस तथा 19 उच्च जलाशय के कार्य शामिल हैं।

मुलाकात

राज्यपाल कलराज मिश्र ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र की उनसे यह शिष्टाचार भेंट थी। मिश्र ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को इस दौरान अपनी हाल ही प्रकाशित पुस्तक शिक्षा की संस्कृति और कार्यकाल के चार वर्ष पर प्रकाशित संविधान संस्कृति की उज्वल राहें की प्रतियां भेंट की। राष्ट्रपति ने राज्यपाल मिश्र के सृजन सरोकारों की सराहना की।

गुजरात के विकास मॉडल की देश ही नहीं, विदेश में भी हो रही सराहना : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारां। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा है कि गुजरात के विकास मॉडल को देश के कई राज्य ही नहीं दुनिया के कई देश अपना रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच एवं सकारात्मक विजन के कारण आज भारत विश्व में विकास को लेकर पांचवें पायदान पर पहुंच गया है। पटेल बारां जिले के छबड़ा में अहिंसा सर्किल पर भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा के तहत सोमवार रात आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केन्द्र सरकार की कई योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि इनसे आमजन को समुचित लाभ मिला है और देश लगातार प्रगति के पथ पर बढ़ रहा है। विकास के मामले में गुजरात वाइब्रेन्ट सम्मिट बड़ा उदाहरण है और आगामी जनवरी में गुजरात में यह दसवीं बार आयोजित किया जाएगा। जिससे एक लाख से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 की सुरक्षित लैडिंग कराकर इतिहास रचा है। प्रधानमंत्री की सोच है कि देश हर क्षेत्र में तरक्की करे। उन्होंने किसानों को सम्मान निधि के रूप में प्रतिवर्ष सहायता राशि जारी करने का जो निर्णय लेकर इसे शुरू किया है, उसकी जितनी तारीफ की जाए वह कम है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से विकास का लाभ मिलता है। यह बात राजस्थान के लोग अच्छी तरह समझ चुके हैं। पटेल ने कहा कि पिछले नौ सालों में मोदी सरकार ने बिजली, पानी, सड़क एवं शिक्षा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्य किए है। राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण से देश की कनेक्टीविटी तीन गुना बढ़ गई है। केन्द्र सरकार ने कोरोना सक्रमण के दौरान 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया है। राजस्थान के चार करोड़ लोगों को इसका लाभ मिला है। देश को केन्द्र सरकार के इस कार्यकाल में पहली आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनने का गौरव भी मिला है।

राजस्थान में परिवर्तन की लहर चल रही है और आने वाले विधानसभा चुनाव में यहां भी भाजपा की सरकार बनेगी। सभा में क्षेत्रीय विधायक प्रतापसिंह सिंघवी ने कहा कि मौजूदा कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश का विकास थम गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में महज डेढ़ लाख मतों से पीछे रहने पर प्रदेश में भाजपा की सरकार नहीं बन पाई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्ज माफी का झूठा वादा किया था। हालत यह है कि प्रदेश में 19 हजार कर्जदार किसानों की डिक्री हो चुकी है। नौजवानों को रोजगार एवं बेरोजगारी भत्ता नहीं मिल रहा है। पेपर लीक हो रहे हैं। परिवर्तन यात्रा के प्रदेश प्रभारी चुन्नीलाल गरासिया ने दावा किया कि वागड, मेवाड़ व हाड़ोती में यात्रा को भरपूर समर्थन मिला है। इससे तय है कि यहां भाजपा की सरकार बनेगी। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व यात्रा के जिला प्रभारी मुकेश दाधीच ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में किसान, युवा आत्महत्या कर रहे हैं। यहां 35 हजार करोड़ का खनन घोटाला हुआ है।

शादी से मना करने पर दिव्यांग युवती की गला दबा की हत्या, शव पेड़ से लटकाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने प्रतापगढ़ जिले के देवगढ़ सर्कल के खूंटगढ़ गांव के जंगल में दिव्यांग युवती की हत्या कर शव को पेड़ से लटकाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि आरोपी युवक कुलदीप गहलोत को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को मृतका के मामा भंवरलाल गुर्जर ने धमोतर थाने में तहरीर दी थी कि उसकी मानसिक रूप से कमजोर और दिव्यांग भांजी घर पर किसी को बिना बताए कहीं चली गई है। इसी दौरान शनिवार को थाना देवगढ़ सर्कल के खूंटगड गांव के जंगल में एक युवती का शव पेड़ से लटका मिला। जिसकी पहचान भंवरलाल ने अपनी भांजी के रूप में की। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि विशेष पुलिस दल ने साइबर सेल की मदद से आरोपी कुलदीप गहलोत को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने बताया कि घटना के दिन वह युवती को बहला फुसलाकर खूंटगड के जंगल में ले गया। जहां उसने युवती पर शादी का दबाव बनाया।

मना करने पर दोनों का झगड़ा हो गया। अधिकारी ने बताया, युवती ने उसे धमकी दी थी कि वह अपने मामा को कहकर उसका गांव छुड़ा देगी। इस पर गुस्से में आकर आरोपी ने गला दबाकर युवती की हत्या कर दी और फिर उसी के दुपट्टे से बांधकर शव को पेड़ पर लटका दिया।

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए 16 छात्रावास बनेंगे, 16 करोड़ रुपये मंजूर

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान सरकार ने विभिन्न जिलों में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए 16 छात्रावासों के निर्माण का निर्णय किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसके लिए 16 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यहां जारी एक सरकारी बयान के अनुसार ब्यावर, गंगापुर सिटी, प्रतापगढ़ और झालावाड़ के भवानीमंडी में अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास का निर्माण कराया जाएगा जबकि दौसा के बहरावण्डा, अलवर के मालाखेड़ा, गंगानगर के सूरतगढ़, ब्यावर के रायपुर, उदयपुर के कानौड़, कुचामन सिटी में सावित्रीबाई फुले अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास बनाये जाएंगे।

बयान के अनुसार पचपदरा के कल्याणपुर और श्रीगंगानगर में अनुसूचित जाति बालक छात्रावास का निर्माण होगा जबकि जैसलमेर के फलसुण्ड, टोंक के उनियारा, चूरू के जैतासर और जोधपुर ग्रामीण के औसियां में अम्बेडकर अनुसूचित जाति बालक छात्रावासों का निर्माण कराया जाएगा। प्रत्येक छात्रावास भवन के निर्माण में एक करोड़ रुपये की लागत आएगी।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को नई दिल्ली में भारतीय संसद की समृद्ध विरासत और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के लिए आयोजित एक समारोह में संसद के सेंट्रल हॉल में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी से मुलाकात कर रहे हैं।

स्वस्थ और समर्थ भारत की नींव है पोषण अभियान : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा किपोषण अभियान स्वस्थ और समर्थ भारत की नींव है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिला स्वयंसेवी समूह आंगनबाड़ी केंद्रों तक आज पोषाहार पहुंचा रहे हैं। इसी का नतीजा है कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण में उत्तर प्रदेश ने लंबी छलांग लगाई है।

आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में आयोजित राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुपोषण से लड़ने के वास्ते व्यापक अभियान प्रारंभ करने के लिए पूरे देश को प्रेरित किया है। इस दिशा में विगत छह वर्षों में उत्तर प्रदेश में काफी कार्य हुए हैं।

एक सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा, एक समय था जब इंसेफेलाइटिस से पूरे प्रदेश में प्रतिवर्ष 1200-1500 मौतें होती थीं। पूर्वी उत्तर प्रदेश इस बीमारी से खासा प्रभावित था। 1977 से लेकर 2017 तक यानी 30 वर्षों में प्रदेश में लगभग 50,000 बच्चे इस बीमारी की चपेट में आकर काल कवलित हो चुके थे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद हमने केंद्र सरकार के साथ 2018 में अन्तर्विभागीय समन्वय बनाकर इंसेफेलाइटिस के उन्मूलन का कार्य शुरू किया और आज पूरे प्रदेश से इंसेफेलाइटिस को समाप्त करने में हम सफल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में मातृ और शिशु मृत्यु दर में गिरावट आई है। ऐसा इसलिए संभव हो पाया क्योंकि माताओं और शिशुओं को पोषण आहार मिलना शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आंगनबाड़ी केंद्र, न्याय पंचायत और ब्लॉक स्तर पर स्वस्थ बालक और बालिका प्रतिस्पर्धा का आयोजन करेगी।

आदित्यनाथ ने कहा, आजादी के अमृत काल का यह प्रथम वर्ष है। भारत कई उपलब्धियों को लेकर के चल रहा है। हम सबको 2027 तक भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 यानी जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, उस समय के लिए देश को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए हमें देश को स्वस्थ, साक्षर और समर्थ बनाना है। कार्यक्रम में गोद भराई की रस्म भी निभाई गई।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतीक स्वरूप कुछ गर्भवती महिलाओं को उपहार में दवाएं और पौष्टिक खाद्य सामग्री भेंट की।

कनाडा सरकार को अपनी धरती पर सक्रिय सभी भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कनाडा में एक खालिस्तानी आतंकवादी के मारे जाने के सिलसिले में भारत के खिलाफ प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को 'निराधार और विडंबनापूर्ण' करार दिया और मांग की कि कनाडा सरकार 'अपनी धरती पर सक्रिय सभी भारत विरोधी तत्वों' के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करे। कनाडा द्वारा प्रतिबंधित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के प्रमुख व भारत के सर्वाधिक वांछित आतंकवादियों में से एक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में ट्रूडो ने भारत के 'संभावित' जुड़ाव का आरोप लगाया था जिसके बाद सोमवार को कनाडा ने एक वरिष्ठ भारतीय अधिकारी को निष्कासित कर दिया था। कनाडा के इस कदम के बाद ही सत्तारूढ़ पार्टी की यह प्रतिक्रिया सामने आई।

पश्चिमी कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर 18 जून को दो अज्ञात बंदूकधारियों ने निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को 'बेतुका' और 'प्रेरित' बताते हुए खारिज कर दिया और जवाबी कार्रवाई में कनाडा के एक वरिष्ठ राजनयिक को निष्कासित कर दिया।

भाजपा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कनाडा की कुछ राजनीतिक हस्तियों ने भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल समूहों और व्यक्तियों के प्रति खुलेआम सहानुभूति व्यक्त की है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा, कनाडा को अपनी धरती पर सक्रिय सभी भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ तत्काल प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने अपनी संसद में जो बयान दिए हैं, वे 'निराधार और विडंबनापूर्ण' हैं।

कनाडा सरकार के कदम से द्विपक्षीय संबंध प्रभावित होंगे: रॉ के पूर्व प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख ए.एस. दुलत ने मंगलवार को कहा कि कनाडा द्वारा एक भारतीय राजनयिक को निष्कासित किए जाने का द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ेगा। कनाडा ने खालिस्तानी चरमपंथी की हत्या में भारत सरकार का हाथ होने के प्रधानमंत्री के आरोपों की जांच के बीच शीर्ष भारतीय राजनयिक को देश से निष्कासित कर दिया है। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा की खुफिया एजेंसियां खालिस्तान समर्थक सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार का हाथ होने के आरोपों की जांच कर रही हैं। निज्जर को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में सिख सांस्कृतिक केंद्र के बाहर 18 जून को गोली मार दी गई थी।

जो कुछ भी अच्छा हो उसे लेकर आगे बढ़ें और गलत चीजों को पीछे छोड़ दें: सभापति धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को नए संसद भवन में उच्च सदन की पहली बैठक को 'संकल्प का दिन' करार देते हुए सदस्यों का आह्वान किया कि जो कुछ भी अच्छा हो उसे लेकर आगे बढ़ना चाहिए और जो गलत बातें हैं, उन्हें पीछे छोड़ दिया जाना चाहिए।

उच्च सदन की बैठक शुरू होने पर सभापति धनखड़ ने सभी सदस्यों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नए संसद भवन की ओर संकेत करते हुए कहा, अमृतकाल में यह बदलाव भारत के भविष्य और विकास के लिए सार्थक साबित होगा।

सभापति ने जैन समाज द्वारा आज के दिन मनाये जाने वाले संवत्सरी पर्व का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सभी से 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहा। उन्होंने अपने दोनों हाथ जोड़ते हुए कहा, मैंने अपनी वाणी, कर्म से जाने-अनजाने या किसी भी तरीके से किसी की भावना को आघात पहुंचाया है, दुख पहुंचाया है (तो) मैं आप सभी का क्षमाप्रार्थी हूं। उन्होंने कहा, आपका हृदय विशाल है। आप मेरी यह क्षमा स्वीकार करेंगे। आगे का रास्ता हम सब के लिए मिलकर सकारात्मक होगा। आज का दिन हमारे लिए संकल्प का दिन है। उन्होंने सदस्यों से यह भी अपील कि उन्हें जो भी सर्वोत्तम हो उस सभी को आगे बढ़ना चाहिए और गलत चीजों को पीछे छोड़ देना चाहिए।

सभापति ने कहा कि भारत की प्रगति सबके लिए एक मिसाल है और 'हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हम इस प्रगति को और गति देने में और महत्वपूण योगदान दें। उन्होंने सभी सदस्यों से यह विशेष आग्रह किया कि देश और देशहित को सर्वोपरि रखें।

बंगाल की खाड़ी पर बन रहा निम्न दबाव का क्षेत्र, ओडिशा में भारी बारिश का अनुमान

भुवनेश्वर/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि बंगाल की खाड़ी पर निम्न दबाव क्षेत्र बन रहा है और इसके प्रभाव के चलते मंगलवार से चार दिन तक ओडिशा के कुछ जिलों में व्यापक बारिश होने का अनुमान है।

आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम केंद्र ने यहां एक बुलेटिन में कहा कि बारिश के अलावा अगले दो दिन के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में बिजली गरजने का भी अनुमान है। आईएमडी ने क्योंझर, मयूरभंज, बालासोर, भद्रक, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर और पुरी जिलों में भारी बारिश (सात से 20 सेंटीमीटर) होने का अनुमान जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

गाजियाबाद में धर्मांतरण मामले में सात महिलाओं समेत 15 आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। गाजियाबाद जिले की साहिबाबाद पुलिस ने लोगों को धर्मांतरण के लिए प्रेरित करने के आरोप में सात महिलाओं समेत 15 लोगों को होटल से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों को तब गिरफ्तार किया गया जब वे करहेड़ा इलाके में होने वाली ईसाई धर्म की एक सभा में भाग लेने के लिए वाहनों में सवार हो रहे थे। साहिबाबाद के सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने कहा कि सभा का आयोजन दिनेश ने किया था जिसका मकसद भोले-भाले गरीब लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए कथित रूप से प्रेरित करना था। उनके मुताबिक, मुख्य आरोपी ने पुलिस को बताया कि प्रार्थना के बाद मुख्य उपदेशक उन्हें ईसाई धर्म अपनाने के आर्थिक लाभ के बारे में जानकारी देता था।

महिला आरक्षण विधेयक एक 'युगांतरकारी कदम' : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पेश किए जाने को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक 'युगांतरकारी कदम' करार दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, भारत का महान लोकतंत्र आज सच्चे अर्थों में गौरवभूषित हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आज लोक सभा में प्रस्तुत किया गया 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक युगांतरकारी कदम है। समूची मातृशक्ति को हार्दिक बधाई!

उन्होंने इसी पोस्ट में कहा, देश की आधी आबादी को उनका हक देने तथा भारतीय लोकतंत्र को और अधिक मजबूत व सहभागी बनाने वाला यह कालजयी निर्णय 'विकसित भारत' के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाएगा। आदित्यनाथ ने एक अन्य पोस्ट में नए संसद भवन का जिक्र करते हुए कहा, 140 करोड़ भारतीयों के संवैधानिक अधिकारों का प्रतिनिधित्व करता 'नया संसद भवन' मानवीय मूल्यों की स्थापना के साथ ही हमारे सशक्त एवं स्वर्णिम भविष्य का शाश्वत प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा, मुझे पूर्ण विश्वास है, यह संसद भवन आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी नेतृत्व में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की अविराम यात्रा को और गति प्रदान करेगा। देश वासियों को हार्दिक बधाई! केंद्र सरकार ने संसद के निचले सदन, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण प्रदान करने से संबंधित ऐतिहासिक 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' को मंगलवार को लोकसभा में पेश किया।

सेना प्रमुख ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के सबक पर कहा-आधुनिक युद्धक्षेत्र में प्रौद्योगिकी की अहमियत दिखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। थलसेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने मंगलवार को कहा कि हाल के संघर्षों-खासकर रूस-यूक्रेन संघर्ष से कई चीजें सामने आई हैं, जिससे भारतीय सेना कोयुद्ध के समकालीन स्वरूप और जंग के मैदान में निर्णायक बढ़त के लिए हथियार क्षमता की प्रासंगिकता का पता चला।

सेना प्रमुख ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि संघर्ष नेआधुनिक युद्धक्षेत्र में प्रौद्योगिकी की अहमियत कोव्यापक रूप से प्रदर्शित किया है। जनरल मनोज पांडे, मानेकशॉ सेंटर में जनरल एस एफ रोड्रिग्स स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे, जिसमें भारतीय सेना के कई पूर्व प्रमुखों, पूर्व वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल (सेवानिवृत्त) एन सी सूरी सहित अन्य ने भाग लिया। जनरल (सेवानिवृत्त) रोड्रिग्स ने 1990-1993 तक सेना प्रमुख के रूप में कार्य किया था। जनरल रोड्रिग्स के 90वें जन्मदिन पर आयोजित समारोह में उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल हुए। जनरल पांडे के संबोधन के बाद लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राज शुक्ला ने 'यूक्रेन: युद्ध और हथियारों के चुनौतीपूर्ण स्वरूप' पर एक व्याख्यान दिया। सेना प्रमुख ने अपने संबोधन में रूस-यूक्रेन संघर्ष से लगातार मिल रहे सबक का जिक्र किया।

तेलंगाना को लेकर प्रधानमंत्री की टिप्पणी राज्य का अपमान : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि संसद में तेलंगाना आंदोलन शहीदों और उनके बलिदान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कथित अपमानजनक टिप्पणी राज्य के अस्तित्व और स्वाभिमान का अपमान करने के अलावा और कुछ नहीं है। राहुल गांधी ने तेलुगू भाषा में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री मोदी का तेलंगाना के शहीदों और उनके बलिदान पर अपमानजनक भाषण तेलंगाना के अस्तित्व और स्वाभिमान का अपमान है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पुराने संसद भवन के लोकसभा में अपने संबोधन के दौरान इस बात पर अफसोस जताया कि आंध्र प्रदेश से अलग होकर तेलंगाना बनने से दोनों राज्यों में केवलकड़वाहट बढ़ी और खून-खराबा हुआ। तेलंगाना सरकार के मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने प्रधानमंत्री की टिप्पणी को अपमानजनक बताया और कहा कि यह ऐतिहासिक तथ्यों के प्रति अनादर को दर्शाता है।

संसद में पेश महिला आरक्षण विधेयक स्वागत योग्य कदम : नीतीश

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संसद में पेश महिला आरक्षण विधेयक को मंगलवार को एक स्वागत योग्य कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि वह शुरू से ही महिला सशक्तीकरण के हिमायती रहे हैं। इस विधेयक में संसद और विधानसभाओं में 33 फीसदी महिला आरक्षण का प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि बिहार में वर्ष 2006 से हमने पंचायती राज संस्थाओं और वर्ष 2007 से नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के नेता नीतीश ने कहा, वर्ष 2006 से ही प्रारंभिक शिक्षकों की नियुक्ति में महिलाओं को 50 प्रतिशत और वर्ष 2016 से सभी सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। वर्ष 2013 से बिहार पुलिस में भी महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। आज बिहार पुलिस में महिला पुलिसकर्मियों की भागीदारी देश में सर्वाधिक है।

उन्होंने कहा कि बिहार में मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज में न्यूनतम 33 प्रतिशत सीट छात्राओं के लिए आरक्षित की गई हैं और ऐसा करने वाला बिहार देश का पहला राज्य है। नीतीश ने कहा कि उन्होंने वर्ष 2006 में राज्य में महिला स्वयं सहायता समूहों के गठन के लिए परियोजना शुरू की जिसका नामकरण 'जीविका' किया और बाद में तत्कालीन केन्द्र सरकार द्वारा इसकी तर्ज पर महिलाओं के लिए आजीविका कार्यक्रम चलाया गया।

महिला आरक्षण विधेयक 'चुनावी जुमला, महिलाओं के साथ धोखा हुआ: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को लोकसभा में पेश महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक को 'चुनावी जुमला' करार देते हुए कहा कि महिलाओं के साथ धोखा हुआ है, क्योंकि विधेयक में कहा गया है कि ताजा जनगणना और परिसीमन के बाद यह 2029 से लागू होगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता देने की कोई वास्तविक मंशा होती, तो महिला आरक्षण विधेयक बिना किसी किंतु-परंतु के तुरंत लागू कर दिया गया होता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 2021 की जनगणना कराने में विफल रही है। केंद्र सरकार ने संसद के निचले सदन, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण प्रदान करने से संबंधित ऐतिहासिक 'नारीशक्ति वंदन विधेयक' को मंगलवार को लोकसभा में पेश किया। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, चुनावी जुमलों के इस मौसम में यह सभी जुमलों में सबसे बड़ा है! करोड़ों भारतीय महिलाओं और युवतियों की उम्मीदों के साथ बहुत बड़ा धोखा है।

आईसीसी ने तीन भारतीयों सहित आठ लोगों पर भ्रष्ट गतिविधियों के आरोप लगाए

दुबई/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2021 एमिरेट्स टी10 लीग के दौरान भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल होने के लिए आठ खिलाड़ियों, अधिकारियों और कुछ भारतीय टीम मालिकों पर विभिन्न आरोप लगाए हैं। दो भारतीय सह मालिक पराग संघवी और कृष्ण कुमार हैं। ये दोनों टीम पुणे डेविल्स के सह मालिक हैं और उस सत्र में इनके एक खिलाड़ी बांग्लादेश के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज नासिर हुसैन पर भी लीग की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के आरोप लगे हैं। भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल होने वाला तीसरा भारतीय एक अंजान सा बल्लेबाजी कोच सन्नी ढिल्लों है। आईसीसी ने कहा, आरोप 2021 अबु धाबी टी10 क्रिकेट लीग और उस टूर्नामेंट में मैचों को भ्रष्ट करने के प्रयासों से संबंधित हैं - इन प्रयासों को बाधित किया गया था। आईसीसी को इस टूर्नामेंट के लिए ईसीबी ने नामित भ्रष्टाचार विरोधी अधिकारी (डीएसीओ) के रूप में नियुक्त किया गया था और इस प्रकार ईसीबी की ओर से ये आरोप जारी किए जा रहे हैं। संघवी पर मैच के नतीजों और अन्य पहलुओं पर सट्टा लगाने तथा जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं करने के आरोप लगे हैं। कृष्ण कुमार पर डीएसीओ से चीजों को छिपाने के आरोप लगे हैं जबकि ढिल्लों पर मैच फिक्स करने का प्रयास करने के आरोप हैं। बांग्लादेश के नासिर पर डीएसीओ को 750 डॉलर से अधिक के तोहफे की जानकारी का खुलासा नहीं करने का आरोप लगा है।

हम विश्व चैम्पियन है, एशियाई खेलों में भी जीत के दावेदार : लक्ष्य सेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। युवा बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कहा कि थॉमस कप चैम्पियन भारतीय टीम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक की दावेदार होगी।

सेन 2021 में विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता है। वह पिछले साल मई में भारत की थॉमस कप जीत में अहम भूमिका निभाने वालों में से एक थे। उन्होंने कहा कि एशियाई खेलों में भारत स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार होगा। सेन ने 'पीटीआई' से कहा, निश्चित रूप से हम जीत के दावेदार हैं। टीम वास्तव में दमदार दिख रही है। उन्होंने कहा, यह वही टीम है जिसने थॉमस कप जीता था, इसलिए हम विश्व चैंपियन के रूप में जा रहे हैं। मुझे लगता है कि जो खिलाड़ी हमारे खिलाफ खेल रहे हैं वे जानते हैं कि भारत को हराना आसान नहीं है। हम दुनिया की किसी भी टीम को हरा सकते हैं। सेन ने कहा कि एशियाई खेलों में चैंपियन बनने के लिए पूरी टीम को एकजुटता से प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमारे अंदर आत्मविश्वास की कमी है। हमारे बीच यह एक दूसरे के प्रति सम्मान है और हम जानते हैं कि इसे कैसे निभाना है। प्रतियोगिता में सभी टीमें कठिन हैं और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा। सेन ने कहा, वहां अच्छा प्रदर्शन करने के लिए हमें अच्छे सामूहिक प्रयास की जरूरत होगी। पूरी टीम सकारात्मक है और हम अच्छे नतीजे की उम्मीद कर रहे हैं। अल्मोड़ा के इस 22 साल के खिलाड़ी ने 2018 युवा ओलंपिक में रजत और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। वह एशियाई खेलों के 19वें आयोजन में सिर्फ टीम स्पर्धा का हिस्सा है। उन्होंने कहा, एशियाई खेलों में यह मेरा पहला अनुभव होगा। वहां राष्ट्रमंडल खेलों और युवा ओलंपिक जैसा ही माहौल है।' सेन ने कहा, मैं प्रतियोगिता का इंतजार कर रहा हूं। इस दौरान मुझे भारत और दूसरे देशों के खिलाड़ियों से मिलने और उनके बारे में समझने का भी मौका मिलेगा।

पूरी तरह फिट और राष्ट्रीय टीम में वापसी को तैयार हूं: दीपक चाहर

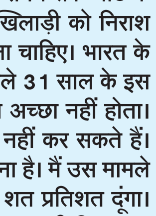

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय टीम के स्विंग गेंदबाज दीपक चाहर चोट से उबर कर पूरी तरह से फिट हैं और राष्ट्रीय टीम में बुलावे का इंतजार कर रहे हैं। दीपक ने मंगलवार को दिल्ली में अपने नए ब्रांड 'डीनाइन' के लॉन्च के मौके पर कहा कि हर क्रिकेटर की तरह उनका सपना भी भारत के लिए विश्व कप जीतना है। भारत के लिए 37 मैच (13 एकदिवसीय और 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय) खेल चुके इस खिलाड़ी ने 'भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मैं पूरी तरह से फिट हूं और राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए कोशिश कर रहा हूं। मैंने हाल ही आरपीएल (राजस्थान प्रीमियर लीग) टूर्नामेंट खेला है। रविवार तक मैं राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में था। भारतीय टीम एशियाई खेलों के लिए चीन जा रही है, मैं उनके साथ अभ्यास कर रहा था।

अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान ज्यादातर समय तक चोट के कारण टीम से बाहर रहने वाले दीपक का मानना खिलाड़ी को निराश होने की जगह ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए। भारत के लिए दिसंबर 2022 में अपना पिछला मैच खेलने वाले 31 साल के इस गेंदबाज ने कहा, एक खिलाड़ी के लिए निराश होना अच्छा नहीं होता। जो चीज आपके हाथ में नहीं है उसे आप नियंत्रित नहीं कर सकते हैं। मेरे हाथ में फिट रहना और टीम के लिए उपलब्ध रहना है। मैं उस मामले में तैयार हूं और जब भी मौका मिलेगा टीम के लिए शत प्रतिशत दूंगा। दीपक चोट के कारण भारतीय टीम से बाहर हुए और आगामी विश्व कप तथा एशियाई खेलों की टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है।

सुविचार

कमज़ोर तब रूकते है, जब वे थक जाते हैं, और विजेता तब रूकते जब वे जीत जाते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऐसी भी क्या मजबूरी?

भारत सरकार ने कनाडा के राजनयिक को निष्कासित कर उचित फैसला लिया है। हाल के वर्षों में कनाडा का जो रुख रहा है और उसने जिस तरह भारत-विरोधी तत्त्वों की हिमायत की है, उसके मद्देनजर यह बहुत जरूरी हो गया था कि अपने तेवर कुछ तीखे किए जाएं। आज कनाडा खालिस्तान समर्थकों समेत उन लोगों का गढ़ बन चुका है, जो भारत-विरोधी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। वहां ऐसे कई मोहल्ले बन चुके हैं, जहां पाकिस्तानी फौज के सेवानिवृत्त अफसरों के बंगले हैं। अप्रत्यक्ष रूप से आईएसआई उन लोगों को सहयोग देती है, जो भारत-विरोधी गतिविधियां करते हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ऐसे लोगों के प्रति बेहद नरम रुख अपना रहे हैं। बल्कि यह कहा जाए तो ग़लत नहीं होगा कि उन्होंने ऐसे तत्त्वों को खुली छूट दे रखी है। इसका नतीजा है कि कनाडा के विभिन्न शहरों में खालिस्तान समर्थक दनदनाते फिर रहे हैं। वे भारत की छवि धूमिल करने के लिए रैलियां निकालते हैं। अगर उन रैलियों में शामिल होने वालों पर गौर किया जाए तो पाएंगे कि उनमें बड़ी तादाद पाकिस्तानियों की है। अगर वे खालिस्तान के इतने ही बड़े 'हमदर्द' हैं तो पाकिस्तान के हिस्से वाले पंजाब को तोड़कर यह बना दें और लाहौर को राजधानी का दर्जा दे दें। किसने रोका है? आज पाकिस्तान और अफगानिस्तान में सिक्खों पर जो जुल्म हो रहे हैं, उस पर ये कुछ नहीं बोलते, बस दिन-रात भारत को कोसते रहते हैं। जब भारत में कनाडाई उच्चायुक्त कैमरून मैके को निष्कासन संबंधी सूचना दी गई तो उनके देश में खलबली मच गई। ट्रूडो को यही उम्मीद थी कि भारत नरम रुख रखेगा। आश्चर्य होता है कि एक कथित लोकतांत्रिक, उदारवादी, मानवाधिकार समर्थक होने का दावा करने वाली सरकार का प्रधानमंत्री अलगाववादियों के पक्ष में खड़ा है! ऐसी भी क्या मजबूरी है? क्या ट्रूडो नहीं जानते कि हरदीप सिंह निज्जर कौन था? लेकिन वोटबैंक की राजनीति के लिए क्या-क्या नहीं करना पड़ता!

ट्रूडो खालिस्तान समर्थक तत्त्वों के 'प्रतिनिधि' की तरह व्यवहार कर रहे हैं और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के साथ अपने देश के संबंधों को नुकसान पहुंचाने को आमादा हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने कनाडाई राजनयिक को बाहर का रास्ता दिखाते हुए अपने फैसले के बारे में सत्य कहा कि यह 'हमारे आंतरिक मामलों में कनाडाई राजनयिकों के हस्तक्षेप और भारत-विरोधी गतिविधियों में उनकी संलिप्तता' को लेकर भारत की बढ़ती चिंता को दर्शाता है। साथ ही ट्रूडो के उन आरोपों को 'बेबुनियाद' बताकर सिरे से खारिज कर दिया कि खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या और भारत सरकार के 'एजेंट' के बीच 'संभवत: कोई संबंध' है। निज्जर इसी साल 18 जून को कनाडा में दो अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा मार दिया गया था। ऐसे कुछ और लोगों के मारे जाने की खबरें आती रही हैं, जो खालिस्तान समर्थक रहे थे। प्राय: ऐसे अलगाववादी संगठनों में आपसी खींचतान चलती रहती है। नशीली सामग्री, ड्रग्स और अवैध धंधे से जुटाई गई दौलत की छीना-झपटी में हर जूनियर अलगाववादी चाहता है कि उसका कद बढ़े। चूंकि अलगाववादियों के साथ रहते हुए वे स्वयं भी हिंसक प्रवृत्ति के हो जाते हैं, इसलिए जब कभी मौका मिलता है, अपने 'सीनियर' को उड़ा देने से गुरेज़ नहीं करते। तालिबान, टीटीपी, आईएसआईएस समेत कई अलगाववादी-उग्रवादी संगठनों में ऐसी सैकड़ों घटनाएं हो चुकी हैं। निज्जर कोई समाज सुधारक नहीं था। वह भारत की शांति, एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने के लिए काम कर रहा था। ऐसे लोगों का संबंध संगठित अपराध सहित कई अन्य अवैध गतिविधियां करने वाले संगठनों से होता है। बेहतर तो यह होता कि ट्रूडो ऐसे अपराधियों को लगाम लगाते, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करते, क्योंकि देर-सबेर ये लोग उनके देश के लिए भी सिरदर्द बनेंगे। वहां भी अलगाववाद की लपटें उठेंगी। एक अपराध से अनेक अपराध पैदा होंगे। इसके विपरीत ट्रूडो खुलेआम सहानुभूति जता रहे हैं, कनाडा की संप्रभुता का हवाला दे रहे हैं। क्या संप्रभुता सिर्फ कनाडा की है, अन्य देशों की संप्रभुता कोई महत्त्व नहीं रखती? भारतवासियों ने जम्मू-कश्मीर और पंजाब में आतंकवाद का जो दर्दनाक दौर देखा है, उसे कभी नहीं भुला सकते। ट्रूडो इस बात को लेकर पूरी तरह स्वतंत्र हैं कि वे अपराधियों, अलगाववादियों और आतंकवादियों की मृत्यु पर अश्रु बहाएं, लेकिन भारत ऐसे तत्त्वों और उनकी गतिविधियों को किसी भी स्थिति में सहन नहीं करेगा।

ट्वीटर टॉक

मैं इस सदन के सभी साथियों से आग्रह करता हूं कि जब एक पावन शुरुआत हो रही है, एक पावन विचार सामने आया है तो सर्वसम्मति से जब ये बिल कानून बनेगा तो इसकी ताकत अनेक गुना बढ़ जाएगी। मैं सभी माननीय सांसदों से इसे सर्वसम्मति से पारित करने की प्रार्थना करता हूं।

-सीपी जोशी

जहाँ तक पुराने संसद भवन की बात है, मेरे लिए वह राजनीति का विश्वविद्यालय था। जहाँ मैंने बहुत कुछ सीखा। उसको लेकर मेरी कई स्मृतियां रही हैं। बचपन में मैंने उस भवन में राजमाता साहब को राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार व्यक्त करते हुए देखा है।

-वसुंधरा राजे

प्रदेश के कई जिलों में फसलों को भारी नुकसान हुआ है, इस बेमौसम बारिश के चलते फसल खराबा होने के कारण हमारे किसान भाइयों के सामने संकट खड़ा हो गया है। किसानों पर प्रकृति की मार दुखद है। अन्नदाता का हित, उनका सुरक्षित भविष्य हमारे लिए सर्वोपरि है।

-सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

स्वराज ही मेरी जन्नत

देश के स्वतंत्रता आंदोलन में शहीद होने वाले पहली पंक्ति के नेता पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्ला खां गहरे दोस्त थे। दोनों पक्के देशभक्त थे। वे हिंदू-मुस्लिम दोस्त पहले शहीद थे जिन्होंने अपनी शहादत देकर हिंदू मुस्लिम भेदभाव को समाप्त करने का प्रयास किया। जब पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया तो अशफाक उल्ला खां पर मुसलमानों ने बहुत दबाव डाला कि वह माफी मांग कर बरी हो जाएं। उनके चाचा हबीबुल्लाह बड़े पुलिस अधिकारी थे। उनके सहित सभी लोगों ने उन्हें समझाया कि पंडित राम प्रसाद बिस्मिल कट्टर हिंदू हैं। यदि हिंदुस्तान आजाद भी हो गया तो इस पर हिंदुओं का राज होगा। मुसलमानों को कुछ नहीं मिलेगा तो तुम क्यों व्यर्थ में अपना बलिदान देते हो। तब देशभक्त शहीद अशफाक उल्ला खां ने कहा कि मुझे इस बात से कोई मतलब नहीं कि कौन हिंदू है और कौन मुसलमान, मुझे तो यह पता है कि हम दोनों की मां भारत माता है। जिसकी रक्षा करना हम सब का धर्म है । चाहे राज किसी का भी आए वह होगा तो स्वराज ही। इसलिए स्वराज ही मेरी जन्नत है। यही मेरा स्वर्ग है।

सामयिक

विरोध का यह तरीका किसी के हित में नहीं

अवधेश कुमार
मोबाइल -9811027208

इस समय आईएनडीआईए गठबंधन द्वारा प्रेस वक्तव्य जारी कर टेलीविजन चैनलों के 14 एंकरों के कार्यक्रम के बहिष्कार की घोषणा देशव्यापी बहस का मुद्दा बना हुआ है। स्वतंत्र भारत के इतिहास का यह पहला अवसर है जब एक दल ही नहीं दलों के समूह ने इस तरह के बहिष्कार, प्रतिबंध या जो भी शब्द प्रयोग करें, की सार्वजनिक घोषणा की है। इसको कितना बड़ा मुद्दा बनाया गया है इसका प्रमाण इसी से मिलता है कि कांग्रेस पार्टी ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि सारे एंकर नफरत फैलाते हैं। भारत का चरित्र राजनीति में वैचारिक स्तर पर हमेशा असहमतियों और मतभेदों का रहा है। पत्रकारिता की स्थिति भी यही है। इस समय भी आप देखेंगे कि पत्रकारों का एक बड़ा समूह अगर इस कदम के विरोध में है तो उसके समानांतर भारी संख्या में इसका समर्थन भी कर रहे हैं। देश में तीखा वैचारिक विभाजन नहीं होता तो यह स्थिति पैदा नहीं होती।

अलग-अलग विचारधाराएं स्वस्थ लोकतांत्रिक समाज के लक्षण हैं। किंतु ये विचारधाराएं अगर हमारे बीच वैमनस्य,दुश्मनी और एक दूसरे के विरुद्ध घृणा पैदा करें तो ठहरकर विचार करने का समय आ जाता है कि क्या वाकई हम स्वस्थ समाज और लोकतंत्र हैं? किसी के विचार और व्यवहार को अनुचित करार देकर उसके विरुद्ध आवाज उठाई जाती है तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर बड़ा समूह खड़ा हो जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान में दिए गए प्रावधानों से ही लागू नहीं होती, यह हमारे संस्कार, चरित्र और जीवन मूल्य का विषय है। ऐसा नहीं हो सकता कि एक के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मायने अलग हों और दूसरे के लिए अलग। यही बात संगठनों, समूहों और संस्थानों पर भी लागू होती है। राजनीतिक दलों और उनके समर्थकों को अगर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हासिल है तो यह पत्रकारों के लिए भी है। किसी राजनीतिक दल को अपने पक्ष में तर्क देने, विरोध और समर्थन करने का अधिकार है तो पत्रकारों को भी है। समस्या तब आती है जब राजनीतिक पार्टियां अपनी बात के लिए तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हथियार उठाती हैं लेकिन कोई पत्रकार उसके समानांतर ऐसा तर्क दे दे या प्रश्न कर दे, जो उनके अनुकूल नहीं हो तो वहां उनके लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मायने नहीं रखती। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ सहनशीलता और दूसरे के विचारों का सम्मान अविच्छिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। ये दोनों बातें आज धीरे-धीरे राजनीतिक विमर्श और व्यवहार से गायब हो रहीं हैं।

जिन एंकरों के डिबेट में न जाने की घोषणा की गई है उनके चरित्र, कार्य -व्यवहार आदि में जाने की आवश्यकता नहीं। जिन दलों ने बहिष्कार की घोषणा की वे लोकतांत्रिक मूल्य और व्यवहार की कसौटी पर ऐसे नहीं है जिनको मानक मान लिया जाए। टेलीविजन चैनलों या मीडिया के किसी भी मंच पर अपनी बात रखना अत्यंत उत्तरदायित्व का कार्य है। लाखों-करोड़ों लोग आपको देखते, सुनते, पढ़ते हैं। देश के सामूहिक मनोविज्ञान की निर्मिति में उनकी बड़ी भूमिका है। टीवी डिबेट में जिस तरह तथ्यहीन -तर्कहीन बातें राजनीतिक दलों के अनेक प्रवक्ता और प्रतिनिधि रखते हैं उससे लोगों में टीवी बहस को लेकर भी वितृष्णा पैदा होती है तथा राजनीति एवं व्यक्ति के प्रति भी।

एंकरों और पत्रकारों का भी अपना राजनीतिक विचार हो सकता है। उसके अनुसार वे प्रश्न कर सकते हैं और उनके तर्कों का उत्तर भी दे सकते हैं। आजकल ज्यादातर प्रवक्ता किसी डिबेट में जाने या वक्तव्य देने के पहले तथ्यों और शब्दावलियों पर गहराई से काम नहीं करते। इसमें जैसे ही उनके लिए असुविधाजनक प्रश्न या उनके तर्कों का खंडन होता है वो आपा खोकर एंकर व डिबेट में शामिल पत्रकार आदि को आरोपित करने लगते हैं और पूरी डिबेट पटरी से उतर जाती है। यह आम दृश्य है। वैसे तो शत-प्रतिशत असहमति रखने वाले या घोर विरोधी के साथ भी संवाद व बहस बनाए रखने को ही सच्चा लोकतांत्रिक चरित्र कहा जाता है। इसके समानांतर कोई किसी से संवाद या बहस न करे, उसका बहिष्कार करे उसे अशोभनीय मानते हुए भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्वीकार किया जा सकता है। भाजपा ने भी एक चैनल का बहिष्कार किया था। कांग्रेस पार्टी ने पहले से तीन टेलीविजन चैनल समूहों का बहिष्कार किया हुआ है। उसके बाद आम आदमी पार्टी ने ऐसा किया। कुछ एंकरों के कार्यक्रम में कई दलों के प्रवक्ता पहले से नहीं जाते हैं। लेकिन इसके लिए कभी इस तरह बैठक कर निर्णय करने, पत्रकार वार्ता करने या बड़ा प्रेस वक्तव्य जारी कर प्रचारित करने की आवश्यकता नहीं हुई।। स्वतंत्र भारत के इतिहास की यह असाधारण स्थिति है। कांग्रेस या आम आदमी सहित आईएनडीआईए के दलों को यसमझना चाहिए कि हर चैनल पत्रकार और समाचार पत्र-पत्रिकाओं को भी अपने राजनीतिक सोच के अनुसार काम करने का अधिकार है। आपका भी अधिकार है कि उनके साथ आप बहस, विमर्श या संवाद करें या नहीं। किंतु इसके लिए प्रेस विज्ञप्ति जारी कर पत्रकारों के नाम का ऐलान करना डरावनी और खतरनाक प्रवृत्ति है। आपने अपनी पार्टी और विचारधारा के लाखों कार्यकर्ताओं-समर्थकों के समक्ष उनको दुश्मन बना दिया। आप उन्हें नफरत फैलाने वाला कहते हैं तो मजहबी आधार पर भी कट्टरपंथियों के निशाने पर वे आ सकते हैं। अत्यंत विकट स्थिति पैदा हो गई है। इन एंकरों के साथ-साथ अन्य एंकरो और पत्रकारों के भी नाम विरोधी सोशल मीडिया पर सामने ला रहे हैं। अगर इनके साथ कोई अप्रिय घटना घट गई तो इनके लिए कौन जिम्मेवार होगा?

> कोई भी एंकर या पत्रकार किसी राजनीतिक दल या राजनीतिक दलों के समूह से जनशक्ति या धनशक्ति के आधार पर संघर्ष नहीं कर सकता। वैसे इन 14 में कुछ पत्रकार ऐसे हैं जिनके कार्यक्रम में डिबेट होते ही नहीं। इसलिए उनमें किसी राजनीतिक दल के प्रतिनिधि के जाने का प्रश्न नहीं उठता है। बावजूद उनका नाम भी शामिल है तो आश्चर्य पैदा होगा और प्रश्न भी उठेगा?

कोई भी एंकर या पत्रकार किसी राजनीतिक दल या राजनीतिक दलों के समूह से जनशक्ति या धनशक्ति के आधार पर संघर्ष नहीं कर सकता। वैसे इन 14 में कुछ पत्रकार ऐसे हैं जिनके कार्यक्रम में डिबेट होते ही नहीं। इसलिए उनमें किसी राजनीतिक दल के प्रतिनिधि के जाने का प्रश्न नहीं उठता है। बावजूद उनका नाम भी शामिल है तो आश्चर्य पैदा होगा और प्रश्न भी उठेगा? स्पष्ट है कि जो दिख रहा है उसके परे भी कुछ है। निष्पक्ष होकर विचार करें तो भारतीय पत्रकारिता में ऐसी स्थिति पैदा नहीं हुई है कि किसी चैनल या अखबार में विरोधी पक्ष को अपनी बात रखने का समुचित अवसर न मिले। जिन एंकरों का बहिष्कार हुआ है उनके डिबेट ही अगर निकाल कर देखा जाए तो इन दलों के प्रवक्ता जो चाहते बोलते थे। एंकर की भूमिका उनको रोकने, उनके तर्कों का खंडन करने , प्रतिप्रश्न करने का होता है और वही हो रहा था। राजनीतिक रणनीति के तहत छवि यह बनानी है कि सत्तारूढ़ भाजपा के दबाव या उनके प्रभाव में ही ज्यादातर एंकर, पत्रकार काम कर रहे हैं तो सच्चाई न होते हुए भी ऐसे अनावश्यक, अतिवादी और भविष्य की दृष्टि से चिंताजनक व्यवहार करने पड़ते हैं। इसके कई और मायने हो सकते हैं। एक, रणनीति के तहत इतने नाम सामने लाए गए ताकि इनकी देखा-देखी दूसरे हमारी दृष्टि से डिबेट और लेखन में अनुकूल व्यवहार करें। दूसरे, अगर इतने दलों के प्रतिनिधि उनके डिबेट में नहीं जाएंगे त संस्थान को उनकी जगह दूसरे एंकर रखने पड़ेंगे। इन्हें बिना काम के चैनल नहीं रख सकते। तो एक उद्देश्य इनको वहां से निकलवाना भी हो सकता है। हालांकि इनमें एक तो स्वयं चैनल के मालिक भी हैं। तीसरे, संस्थान अन्य एंकरों को कहेंगे कि आप अपने डिबेट को ऐसा न बनाएं जिनसे ये दल आपका भी बहिष्कार कर दें। चौथा, आने वाले समय में इन दलों की सरकारें इनसे संबंधित चैनलों और मीडिया संस्थानों को विज्ञापन देना बंद कर सकते हैं। ये सारे पहलू हम सबको डराने के लिए पर्याप्त हैं।

आईएनडीआईए समूह चाहे जो तर्क दे यह अभिव्यक्ति के स्वतंत्रता के नाम पर ताकत का दुरुपयोग कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने वाला काम ही है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मूल सिद्धांत यह है कि हम आपकी बात से पूरी तरह असहमत हो सकते हैं लेकिन आप अपनी बात रखें इसके प्रति हमारी पूरी प्रतिबद्धता होगी। वैसे भी यह अजीब है कि आप एक ही चैनल में किसी पत्रकार के डिबेट में जाएंगे और दूसरे में नहीं। कुल मिलाकर यह बिल्कुल स्वीकार करने योग्य कदम नहीं है। कोई हमारे विचार का विरोधी है या समर्थक इसके आधार पर ऐसे मामलों में हमारी भूमिका नहीं होनी चाहिए। लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध हो तथा आईएनडीआईए के सभी दलों के नेताओं से भी बात की जाए। आईएनडीआईए के दल स्वयं अपने व्यवहार पर पुनर्विचार कर कदम वापस लें। हम सहमत हों या असहमत कोई हमारा समर्थक हो या विरोधी, पत्रकारों को स्वतंत्रतापूर्वक काम करने की स्थिति बनी रहे इसी में सबका हित है।

विशेष

गणेश हैं विघ्नहर्ता, मंगलकर्ता और उन्नत राष्ट्र-निर्माता

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं, वे विघ्नहर्ता एवं मंगलकर्ता सात्विक देवता हैं और उन्नत राष्ट्र-निर्माता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफ गणेश ही गणेश छाए हुए है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं, ऐसे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक लोकप्रियता वाले देव का जन्मोत्सव भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को सम्पूर्ण दुनिया में उमंग एवं हर्षोल्लास से मनाया जाता है। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है। महाराष्ट्र का गणेशोत्सव विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

हिन्दुओं में गणेशजी के जन्म के विषय में अलग-अलग कथाएँ प्रचलित हैं। वराह पुराण के अनुसार स्वयं शिव ने पंच तत्त्वों को मिला कर गणेश का निर्माण बहुत तन्मयता से किया। जिससे वे अत्यंत सुन्दर और आकर्षक बने तो देवताओं में खलबली मच गयी, स्थिति को भांप कर शिव ने गणेश के पेट का आकार बढ़ा दिया और सिर को गजानन की आकृति का कर दिया ताकि उनके सौन्दर्य और आकर्षण को कम किया जा सके। शिव पुराण के अनुसार एक बार पार्वती ने अपने उबटन के मैल से एक पुतला बनाया और उसमें जीवन डाल दिया।

इसके उपरांत उन्होंने इस जीवधारी पुतले को द्वार पर प्रहरी के रूप में बैठा दिया और उसे आदेश दिया कि वह किसी भी व्यक्ति को अंदर न आने दे। इसके बाद वे स्नान करने लग गई। संयोगवश कुछ ही समय बाद शिव उधर आ निकले। उनसे सर्वथा अपरिचित गणेश ने शिव को भी अंदर जाने से रोक दिया। इस पर शिव अत्यंत क्रोधित हुए और उन्होंने अपने त्रिशूल से गणेश का मस्तक काट दिया। पार्वती ने यह देखा तो वे बहुत दुखी हुईं। तब पार्वती को प्रसन्न करने के लिए शिव ने एक हाथी के बच्चे का सिर गणेश के धड़ से लगाकर उन्हें पुनर्जीवित कर दिया। तभी से गणेश, गजानन कहलाए। लेकिन बालक की आकृति से पार्वती बहुत दुखी हुई तो सभी देवताओं ने उन्हें आशीर्वाद और अतुलनीय उपहार भेंट किए, उन्हें प्रथम देव के रूप में सभी अधिकार प्रदत्त किये। इंद्र ने अंकुश, वरुण ने पाश, ब्रह्मा ने अमरत्व, लक्ष्मी ने ऋद्धि-सिद्धि और सरस्वती ने समस्त विद्याएँ प्रदान कर उन्हें देवताओं में सर्वोपरि बना दिया। गणेशजी को प्रथम लिपिकार माना जाता है उन्होंने ही देवताओं की प्रार्थना पर वेद व्यासजी द्वारा रचित महाभारत को लिपिबद्ध किया था। जैन एवं बौद्ध धर्मों में भी गणेश पूजा का विधान है। गणेश को हिन्दू संस्कृति में आदिदेव भी माना गया है। अनंतकाल से अनेक नामों से गणेश दुख, भय, चिन्ता इत्यादि विघ्न के हरणकर्ता के रूप में पूजित होकर मानवों का संताप हरते रहे हैं। वर्तमान काल में स्वतंत्रता की रक्षा, राष्ट्रीय चेतना, भावनात्मक एकता और अखंडता की रक्षा के लिए गणेशजी की पूजा और गणेश चतुर्थी के पर्व का उत्साहपूर्वक मनाने का अपना विशेष महत्व है। गणेशजी को शुद्ध घी, गुड और गेहूँ के लड्डु- मोदक बहुत प्रिय हैं। ये प्रसन्नता अथवा मुदित चित्त के प्रतीक हैं। ये तीनों चीजें सात्विक एवं स्निग्ध हैं अर्थात उत्तम आहार हैं। सात्विक आहार बुद्धि में स्थिरता लाता है। उनका उदर बहुत लम्बा है।

> गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके।

ऋद्धि-सिद्धि गणेशजी की पत्नियाँ हैं। वे प्रजापति विश्वकर्ता की पुत्रियां हैं। गणेश की पूजा यदि विधिवत की जाए, तो इनकी पतिव्रता पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि भी प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-शांति-समृद्धि और संतान को निर्मल विद्या-बुद्धि देती है। 'सिद्धि से क्षेम' और 'ऋद्धि से लाभ' नाम के शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। जहां भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं तो उनकी पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि यशस्वी, वैभवशाली व प्रतिष्ठित बनाने वाली होती है। वहीं शुभ-लाभ हर सुख-सौभाग्य देने के साथ उसे स्थायी और सुरक्षित रखते हैं। जन-जन के कल्याण, धर्म के सिद्धान्तों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने एवं सुख-समृद्धि-निर्विघ्न शासन व्यवस्था स्थापित करने के कारण मानव-जाति सदा उनकी ऋणी रहेगी। आज के शासनकर्ताओं को गणेश के पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है।

गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। भारतीय संस्कृति एक ईश्वर की विशाल कल्पना के साथ अनेकानेक देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना से फलती-फूलती रही है। सब देवताओं की पूजा से प्रथम गणपति की पूजा का विधान है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, वैभव एवं आनंद के अधिष्ठाता हैं। बड़े एवं साधारण सभी प्रकार के लौकिक कार्यों का आरंभ उनके दिव्य स्वरूप का स्मरण करके किया जाता है। व्यापारी अपने बही-खातों पर श्री गणेशाय नम:' लिख कर नये वर्ष का आरंभ करते हैं।

प्रत्येक कार्य का शुभारंभ गणपति पूजन एवं गणेश वंदना से किया जाता है। विवाह का मांगलिक अवसर हो या नए घर का शिलान्यास, मंदिर में मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव हो या जीवन में षोड्स संस्कार का प्रसंग, गणपति का स्मरण सर्वप्रथम किया जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार जो भक्ति-पूर्वक गणेश की पूजा-अर्चना करता है, उसके सम्मुख विघ्न कभी नहीं आते। गणपति गणेश अथवा विनायक सभी शब्दों का अर्थ है देवताओं का स्वामी अथवा अग्रणी। गणेशजी की आकृति विचित्र है, किन्तु इस आकृति के आध्यात्मिक संकेतों के रहस्य को यदि समझने का प्रयास किया जाये तो सनातन लाभ प्राप्त हो सकता है। क्योंकि गणेश अर्थात शिव पुत्र अर्थात शिवत्व प्राप्त करना होगा अन्यथा क्षेम एवं लाभ की कामना सफल नहीं होगी। गजानन गणेश की व्याख्या करें तो ज्ञात होगा कि 'गज' दो व्यंजनों से बना है। 'ज' जन्म अथवा उद्गम का प्रतीक है तो 'ग' प्रतीक है गति और गंतव्य का। अर्थात गज शब्द उत्पत्ति और अंत का संकेत देता है-जहाँ से आये हो वहीं जाओगे। जो जन्म है वही मृत्यु भी है। ब्रह्म और जगत के यथार्थ को बनाने वाला ही गजानन गणेश है।

गणेशजी की सम्पूर्ण शारीरिक रचना के पीछे भगवान शिव की व्यापक सोच रही है। एक कुशल, न्यायप्रिय एवं सशक्त शासक एवं देव के समस्त गुण उनमें समाहित किये गये हैं। गणेशजी का गज मस्तक हैं अर्थात वह बुद्धि के देवता हैं। वे विवेकशील हैं। उनकी स्मरण शक्ति अत्यन्त कुशाग्र हैं। हाथी की भ्रांति उनकी प्रवृत्ति प्रेरणा का उद्गम स्थान धीर, गंभीर, शांत और स्थिर चेतना में है। हाथी की आंखें अपेक्षाकृत बहुत छोटी होती हैं और उन आँखों के भावों को समझ पाना बहुत कठिन होता है।

दरअसल गणेश तत्ववेत्ता के आदर्श रूप हैं। गण के नेता में गुरुता और गंभीरता होनी चाहिए। उनके स्थूल शरीर में वह गुरुता निहित है। उनका विशाल शरीर सदैव सतर्क रहने तथा सभी परिस्थितियों एवं कठिनाइयों का सामना करने के लिए तत्पर रहने की भी प्रेरणा देता है। उनका लंबोदर दूसरों की बातों की गोपनीयता, बुराइयों, कमजोरियों को स्वयं में समाविष्ट कर लेने की शिक्षा देता है तथा सभी प्रकार की निंदा, आलोचना को अपने उदर में रख कर अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। छोटा मुख कम, तर्कपूर्ण तथा मृदुभाषी होने का द्योतक है।

गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। उनके हेरांब रूप में युद्धप्रियता का, विनायक रूप में यक्षों जैसी विकरालता का और विघ्नेश्वर रूप में लोकरंजक एवं परोपकारी स्वरूप का दर्शन होता है। गण का अर्थ है समूह। गणेश समूह के स्वामी हैं इसीलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक, गणपति आदि नामों से पुकारा जाता है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जश्न

पटना में मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट द्वारा ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक पारित किये जाने के बाद मंगलवार को पटना में जश्न मनाती भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता।

‘नारी शक्ति वंदन विधेयक’ पेश किए जाने को पचा नहीं पा रहा है विपक्ष : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

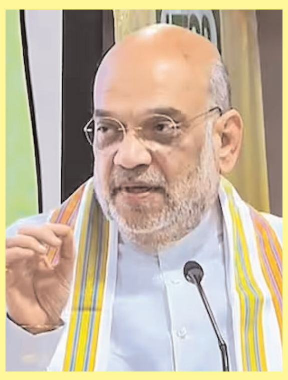

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में पेश महिला आरक्षण संबंधी विधेयक को ‘चुनावी जुमला’ करार दिए जाने पर विपक्षी दलों पर पलटवार किया और आरोप लगाया कि वे इस कदम को पचा नहीं पा रहे हैं।

शाह ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में यह भी आरोप लगाया कि पेश किया गया विधेयक महिलाओं को सशक्त करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है, वहीं इसे लेकर कांग्रेस कभी गंभीर नहीं रही और उसके कदम ‘प्रतीकात्मक’ रहे हैं।

केंद्र सरकार ने संसद के निचले सदन, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण प्रदान करने से संबंधित ऐतिहासिक ‘नारी शक्ति वंदन विधेयक’ को मंगलवार को लोकसभा में पेश किया।

कांग्रेस ने इस विधेयक को ‘चुनावी जुमला’ करार देते हुए कहा कि महिलाओं के साथ धोखा हुआ है, क्योंकि विधेयक में कहा गया है कि ताजा जनगणना और परिसीमन के बाद यह 2029 से लागू होगा।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता देने की कोई वास्तविक मंशा होती, तो महिला आरक्षण विधेयक बिना किसी किंतु-परंतु के तुरंत लागू कर दिया गया होता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 2021 की जनगणना कराने में विफल रही है।

इसके जवाब में ‘एक्स’ पर किए गए एक पोस्ट में शाह ने कहा, भारत के कोने-कोने में, लोग संसद में नारी शक्ति वंदन विधेयक पेश किए जाने का जश्न मना रहे हैं। यह महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए मोदी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, अफसोस की बात है कि विपक्ष इसे पचा नहीं पा रहा है। और, इससे भी शर्मनाक बात यह है कि प्रतीकात्मक कदम उठाने को छोड़कर, कांग्रेस कभी भी महिला आरक्षण के बारे में गंभीर नहीं रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने या तो विधेयकों को निष्प्रभावी होने दिया या उसके सहयोगी दलों ने विधेयक को सदन के पटल पर पेश करने से रोका।

उन्होंने कहा, उनके दोहरे मानदंड कभी नहीं छिपेंगे, चाहे वे जो भी स्टंट करने की कोशिश करें।

महिला आरक्षण को मूर्त रूप देने में जनगणना, परिसीमन और राज्यों की विधानसभाओं की मंजूरी महत्वपूर्ण

नई दिल्ली/भाषा

लोकसभा में मंगलवार को पेश किए गए महिला आरक्षण विधेयक को मूर्त रूप लेने से पहले कई अवरोध पार करने होंगे जिनमें सभी राजनीतिक दलों का समर्थन पाने के साथ जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया जल्द पूरी करना शामिल हैं।

महिला आरक्षण से संबंधित ‘संविधान (128वां संशोधन) विधेयक’ के प्रावधानों में स्पष्ट है कि इसके कानून बनने के बाद होने वाली जनगणना के आंकड़ों को पूरा करने के बाद परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने या निर्वाचन क्षेत्रों का पुन: सीमांकन होने के बाद ही यह प्रभाव में आएगा।

संविधान विशेषज्ञों का कहना है कि संसद के दोनों सदनों द्वारा विधेयक को पारित किए जाने के बाद इसे कानून का रूप देने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्य विधानसभाओं की मंजूरी जरूरी होगी। राज्य विधानसभाओं की मंजूरी आवश्यक है क्योंकि इससे राज्यों के अधिकार प्रभावित होते हैं। संविधान में अनुच्छेद 334 के बाद जोड़ने के लिए प्रस्तावित नए अनुच्छेद 334 ए के अनुसार, संविधान (128वां संशोधन), विधेयक 2023 के प्रारंभ होने के बाद की गई पहली जनगणना के संगत आंकड़े प्रकाशित होने के बाद इस उद्देश्य के लिए परिसीमन की कवायद शुरू होने के पश्चात विधेयक प्रभाव में आएगा।

संविधान के अनुच्छेद 82 (2002 में यथासंशोधित) के अनुसार 2026 के बाद की गई पहली जनगणना के आधार पर परिसीमन प्रक्रिया की जा सकती है।

इस लिहाज से 2026 के बाद पहली जनगणना 2031 में होगी जिसके बाद परिसीमन किया जाएगा।

सरकार ने 2021 में जनगणना की प्रक्रिया पर कोविड-19 महामारी के मद्देनजर रोक लगा दी थी। 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण को वास्तविक रूप देने के लिए सरकार को इस प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराना होगा। साल 2011 में जनगणना फरवरी-मार्च में की गई थी और अनंतिम आंकड़े उस साल 31 मार्च को जारी किए गए थे।

विशेषज्ञों ने यह बात भी कही है कि महिलाएं प्रतिनिधि तो चुनी जा सकती हैं लेकिन वास्तविक अधिकार उनके पतियों के पास रह सकते हैं जैसा कि पंचायत स्तर पर देखा गया।

जानीमानी वकील शिल्पी जैन ने कहा कि अगर आरक्षण के माध्यम से निर्वाचित महिला जन प्रतिनिधि उन्हीं परिवारों से हुईं जिनके पुरुष सदस्य राजनीति में हैं तो महिलाओं के उत्थान का विधेयक का उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

हम जी20 की अध्यक्षता के लिए भारत और प्रधानमंत्री मोदी के आभारी हैं : अमेरिका

न्यूयॉर्क (अमेरिका)/भाषा

अमेरिका जी20 की सफल अध्यक्षता के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभारी है तथा राष्ट्रपति जो बाइडन दिल्ली में समूह के शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद ‘बहुत सकारात्मक और आशावान महसूस कर रहे हैं। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही।

रणनीतिक संचार के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) के समन्वयक जॉन किर्बी ने एक संवाददाता सम्मेलन में ‘पीटीआई-भाषा’ के सवाल के जवाब में कहा, बाइडन जब जी20 सम्मेलन से लौटे, तो वह बेहद सकारात्मक और आशावान महसूस कर रहे थे। मेरा मतलब है कि जी20 में बहुत अच्छा काम किया गया है। हम सभी न सिर्फ समूह की अध्यक्षता के लिए, बल्कि जिस तरह से एजेंडा को क्रियान्वित किया गया, उसके लिए भी प्रधानमंत्री मोदी और भारत के आभारी हैं। भारत की अध्यक्षता में गत 9-10 सितंबर को दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन का जिक्र करते हुए किर्बी ने कहा, यह बहुत ही उपयोगी दो दिन थे।

किर्बी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें उच्च स्तरीय सत्र के लिए अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ-साथ विदेश नीति से संबंधित अन्य मुद्दों पर सोमवार को यहां न्यूयॉर्क फॉरेन प्रेस सेंटर में संवाददाताओं को संबोधित किया।

बाइडन मंगलवार को प्रतिष्ठित यूएनजीए (संयुक्त राष्ट्र महासभा) हॉल में आम बहस की शुरुआत पर 193 सदस्यीय महासभा के नेताओं को संबोधित करने वाले हैं।

किर्बी ने कहा, बाइडन को जी20 एजेंडा के अलावा दिल्ली में द्विपक्षीय रूप से मोदी के साथकाफी समय बिताने का मौका मिला। इसलिए मुझे बाइडन के न्यूयॉर्क में रहने के दौरान उनके एजेंडे पर भारत-केंद्रित किसी विशेष बैठक के बारे में जानकारी नहीं है।

यूएनजीए में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की मौजूदगी से ‘ग्लोबल साउथ’ की प्राथमिकताओं से ध्यान भटकने के बारे में पूछे जाने पर किर्बी ने मंगलवार को महासभा में अपने संबोधन में कहा कि बाइडन ‘ग्लोबल साउथ’ के बारे में बात करेंगे। उन्होंने कहा, वह वैश्विक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य असुरक्षा से जुड़ी चिंताओं एवं निवेश जरूरतों और ‘ग्लोबल साउथ’ की बुनियादी ढांचे में निवेश संबंधी आवश्यकताओं पर ध्यान देने के लिए इस प्रशासन में किए जा रहे काम पर बात करेंगे।

किर्बी ने कहा, हमने पिछले जी20 सम्मेलन में एक महत्वाकांक्षी जहाज एवं रेल गलियारे की घोषणा की, जो भारत को पश्चिम एशिया और इटली के रास्ते यूरोप से जोड़ेगा।

अरदास के साथ शुरू हुई परिणीति चोपड़ा व राघव चड्ढा की शादी की रस्में

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आप नेता राघव चड्ढा जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। कपल इसी महीने शादी रचाने वाले हैं। कपल ने अपनी शादी के लिए उदयपुर के ‘द लीला पैलेस’ को चुना है। जहां शादी और हल्दी, मेंहदी की सारी रस्में होंगी। इसी बीच बीते दिन परिणीति चोपड़ा दिल्ली पहुंच चुकी हैं। परिणीति को रिसीव करने के लिए राघव चड्ढा एयरपोर्ट पहुंचे थे। रिपोर्ट के मुताबिक 17 सितंबर को शादी की रश्में दिल्ली में शुरू हो चुकी हैं। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी की रस्में दिल्ली में अरदास और शबद कीर्तन (सिख धर्म की प्रेयर) से शुरू हो चुकी हैं। इस मौके पर कपल के करीबी रिश्तेदार ही मौजूद रहे। इस रस्म के बाद 20 सितंबर को सूफी नाइट का आयोजन होगा और 23 सितंबर को कपल अपने करीबी परिवार वालों के साथ उदयपुर के लिए रवाना होंगे, जहां शादी के अन्य फंक्शन होंगे।

शादी के कार्ड के मुताबिक 23 सितंबर को परिणीति की चूड़ा सेरेमनी से शुरूआत होगी। सुबह 10 बजे परिणीति को चूड़ा पहनाया जाएगा। इसके साथ ही 10 से दोपहर 1 बजे के बीच खाने-पीने का भी इंतजाम किया गया है। इसके बाद 23 को ही शाम को एक थीम इवेंट हैं, जिसमें सभी 90 के दशक वाले बॉलीवुड अंदाज में नजर आएंगे। इसके बाद 24 सितंबर को 1 बजे राघव चड्ढा की सेहराबंधी की रसम की जाएगी। इसके बाद बारात लीला पैलेस पहुंचेगी, जहां 3.30 बजे जयमाल होगा। शाम 4 बजे फेरे होंगे और फिर 6.30 बजे विदाई होगी। इसके बाद ‘द लीला पैलेस’ के कोर्टयार्ड में एक रिसेप्शन होगा। बता दें कि शादी में परिणीति चोपड़ा डिजाइनर मनीष मल्होत्रा का डिजाइन किया हुआ लहंगा पहनेंगी। परिणीति-राघव की सगाई परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने 13 मई 2023 को दिल्ली में सगाई की थी। जिसमें प्रियंका चोपड़ा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जैसे कई बड़े सेलेब्स और राजनेता शामिल हुए थे। खबरों की मानें तो परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की दोस्ती फिल्म ‘चमकीला’ की शूटिंग के दौरान हुई थी। वहीं एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो परिणीति चोपड़ा जल्दी ही सुपरस्टार अक्षय कुमार के साथ मूवी ‘मिशन रानीगंज’ में नजर आने वाली हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया गया था। यह फिल्म 6 अक्टूबर को रिलीज होगी।

‘डियर जस्सी’ ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता

मुंबई/वार्ता

फिल्म निर्माता तरसेम सिंह धंधवार निर्देशित भारतीय फिल्म डियर जस्सी ने 48वें टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (टीआईएफएफ) में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का प्रतिष्ठित प्लेटफॉर्म अवार्ड जीता है। डियर जस्सी टी-सीरीज़ फिल्म्स और वकाओ फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले बनी है। इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी शाह, अश्विन वर्दे, राजेश बहल, संजय ग्रोवर और तरसेम सिंह धंधवार ने किया है।

वरिष्ठ कनाडाई पत्रकार फैबियन डॉसन की पत्रकारिता पर आधारित, डियर जस्सी अमित राय द्वारा लिखी गई है।

इस फिल्म में अभिनेता पाविया सिद्धू और युगम सूद मुख्य भूमिकाओं में हैं। टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में प्रशंसा जीतने के बाद, डियर जस्सी इस साल अक्टूबर में बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल में दिखायी जायेगी।

लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे कार्तिक आर्यन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार कार्तिक आर्यन, जो ’भूल भुलैया 2’, ’सोनू के टीटू की स्वीटी’, ’प्यार का पंचनामा’ फ्रेंचाइजी और अन्य जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, गणेशोत्सव के पहले दिन मुंबई के करी रोड इलाके में लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे। एक्टर ने अपने फॉलोअर्स के लिए इंस्टाग्राम पर अपनी यात्रा की एक तस्वीर साझा की। लाइट पिंक कलर के कुर्ते में कार्तिक बेहद आकर्षक लग रहे हैं। वह सुबह जल्दी पहुंचे और उत्सव की शुरुआत की। कार्तिक ने कैप्शन में लिखा, ’’यह साल का सबसे खुशी का समय है। गणपति बप्पा मोरिया। हैशटैग लालबागचा राजा’’। एक्टर ने अपनी फिल्म रिलीज के पहले दिन सिद्धिविनायक में बप्पा का आशीर्वाद लेने की परंपरा का भी पालन किया।

इस बीच, एक्टर कबीर खान के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित अगली फिल्म ’चंदू चैंपियन’ की शूटिंग में बिजी हैं। इससे पहले, फिल्म का पहला लुक जारी किया गया था जिसमें कार्तिक कैमरे की ओर देख रहे थे और उन्होंने ब्लेज़र पहन रखा था, जिस पर भारत लिखा हुआ था। अपकमिंग फिल्म एक खिलाड़ी की सच्ची कहानी पर आधारित है। ’चंदू चैंपियन’ की शूटिंग लंदन में साजिद और वर्दा नाडियाडवाला की मौजूदगी में हुई।

जरीन खान के खिलाफ जारी हुआ गिरफ्तारी वारंट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री जरीन खान अपनी फिल्मों से ज्यादा व्यक्तिगत जिन्दगी को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। अब उनके लेकर एक समाचार हवाओं में फैल रहा है। बताया जा रहा है कि जरीन खान के खिलाफ कोलकाता की एक अदालत ने गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया है। उन पर कथित तौर पर धोखाधड़ी का आरोप है। जरीन खान के खिलाफ जारी हुआ गिरफ्तारी वॉरंट दरअसल जरीन खान के खिलाफ साल 2018 में एक मामला दर्ज करवाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस कोलकाता के एक दुर्गा पूजा कार्यक्रम में पर्फॉर्म करना था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचीं। इसके अलावा भी एक्ट्रेस पर कोलकाता और उत्तर 24 परगना में 6 काली पूजा कार्यक्रमों में शामिल ना होने की शिकायतें मिली थी। पुलिस के मुताबिक एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी की तरफ से नारकेलडांगा थाने में एक्ट्रेस और उनकी मैनेजर के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई गई और उन्हे पूछताछ के लिए पेश होने के लिए कहा गया। जरीन खान पूछताछ के लिए नहीं पहुंची और आयोजकों पर आरोप लगाते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें गलत जानकारी दी गई थी। आयोजकों ने बताया था कि कार्यक्रम में बंगाल की सीएम सहित कई बड़े मंत्री शामिल होंगे। बाद में उनकी टीम को पता चला कि यह कार्यक्रम बहुत छोटे स्तर पर था। इसलिए एक्ट्रेस ने यह शो छोड़ने का फैसला किया था। रिपोर्ट के मुताबिक केस दर्ज होने के बाद जरीन खान ने न तो जमानत के लिए अपील की और न ही कोर्ट के सामने पेश हुईं। उनकी बार-बार अनुपस्थिति के बाद, अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत से गिरफ्तारी वॉरंट जारी होने पर जरीन खान ने इंडिया टुडे ग्रुप से बात करते हुए कहा कि मुझे पता है कि इस बात में कोई सच्चाई नहीं है। मैं भी हैरान हूं और अपने वकील से जांच करा रही हूं।

22 को रिलीज होगी फिल्म ‘लाडला-2’

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारीलाल यादव की फिल्म लाडला 2, 22 सितंबर को रिलीज होगी । यशी फिल्म्स प्रा. लि. कृत और अभय सिन्हा निर्मित भोजपुरी फिल्म ‘लाडला 2’ में खेसारीलाल यादव मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म लाडला का सीक्वल है, जो साल 2015 में रिलीज हुई थी।इस फिल्म का वितरण रेणु विजय फिल्म्स इंटरटेमेंट और निशांत उज्ज्वल कर रहे हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई है कि फिल्म को दर्शकों का खूब रेस्पॉन्स मिलने वाला है। फिल्म के रिलीज की सारी तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं।

अभय सिन्हा ने बताया कि फिल्म लाडला 2 शानदार है। हम उम्मीद करेंगे कि दर्शक इस फिल्म को अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर देखें।

खेसारीलाल यादव ने कहा कि लाडला की तरह मेरी यह फिल्म भी दर्शकों को खूब मनोरंजन देगी। इसलिए आप सभी इस फिल्म को अपनी फिल्म समझकर देखें। अपने दोस्त और परिजनों को भी दिखाएं। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में कहानी से लेकर गाने, एक्शन इमोशन सब कुछ नायाब है।

फिल्म लाडला 2 का निर्देशन प्रेमांशु सिंह ने किया है।फिल्म लाडला 2 में खेसारीलाल यादव और माया यादव के साथ मेघा श्री, अमित शुक्ला, अनूप अरोड़ा, एयाज़ खान और रश्मि शर्मा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म के सह निर्माता अनिल कुमार सिंह और विवेक कुमार हैं। गीतकार अरविन्द तिवारी, विनय निर्मल, सत्या सावरकर और बबुआ विकास हैं। संगीतकार ओम झा हैं।

राजामौली बनायेंगे फिल्म ‘मेड इन इंडिया’

मुंबई/वार्ता

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जानेमाने फिल्मकार एसएस राजामौली फिल्म मेड इन इंडिया बनाने जा रहे हैं। ’बाहुबली’ और ’आरआरआर’ की सफलता के बाद एसएस राजामौली ने अपनी नई फिल्म की घोषणा की है। एसएस राजामौली ऐसी कहानी पर काम कर रहे हैं, जो भारतीय सिनेमा की कहानी बयां करती है। फिल्म का टाइटल ’मेड इन इंडिया’ है।फिल्म का प्रोडक्शन राजामौली के बेटे एसएस कार्तिकेय और वरुण गुप्ता कर रहे हैं। वहीं, ’मेड इन इंडिया’ का निर्देशन नितिन कक्कड़ करेंगे। एसएस राजामौली ने ’मेड इन इंडिया’ का एक वीडियो अपने ऑफिशियल ट्विटर (एक्स) हैंडल पर शेयर किया। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में बताया कि जब मैंने पहली बार कहानी सुनी, तो इसने मुझे इमोशनली प्रभावित कर दिया, जितना किसी और चीज ने नहीं किया।

एक बायोपिक बनाना अपने आप में मुश्किल काम है, लेकिन भारतीय सिनेमा के पिता के बारे में कल्पना करना और भी ज्यादा चैलेंजिंग है। मेरी टीम इसके लिए तैयार है और कमर कस चुकी है। बेहद गर्व के साथ ’मेड इन इंडिया’ प्रेजेंट कर रहा हूं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

दुर्गा पूजा की तैयारियों शुरु हो गई हैं। आरटीनगर के सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद, बिहार भवन द्वारा दुर्गापूजा उत्सव को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। इस वर्ष शिक्षाविद् प्रजेश झा को दुर्गा पूजा उत्सव का अध्यक्ष बनाया गया है।

‘नवरात्रि के रंग, जीतो के संग-रंगतारी’ का आयोजन 13 अक्टूबर को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डांडिया या गरबा एक पारंपरिक भारतीय लोक नृत्य है जो न केवल नृत्य व संगीत का प्रतिनिधित्व करता है अपितु एकता, आनंद एवं एकजुटता का उत्सव भी है और ऐसा ही उत्सव जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के युवा विंग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। नवरात्रि के उपलक्ष्य में जीतो युवाओं का आयोजन ‘नवरात्रि के रंग–जीतो के संग’ 13 अक्टूबर को पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेस श्राईन में ‘रंगतारी’ के नाम से होगा। गुरु पुनवानी के संजय बैद मुख्य प्रायोजन तथा फर्न्स एंड रेंटल के अमित मेहता व साउंड एंड ग्लिट्ज़ के सिद्धार्थ पटवा के सह प्रायोजन में आयोजित होने वाले रंगतारी की तैयारियों के क्रम में राजाजीनगर स्थित जीतो कार्यालय में पास तथा मास्टर पोस्टर का अनावरण किया गया। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया, सह कोषाध्यक्ष मिश्रीमल कटारिया,महिला अध्यक्ष बिंदु रायसोनी, युवा अध्यक्ष मनीष कोठारी, महामंत्री खुशी पोरवाल तथा प्रायोजकों ने पास तथा मास्टर पोस्टर का अनावरण किया।

युवा विंग अध्यक्ष मनीष कोठारी ने सबका स्वागत करते हुए पर्यूषण पर्व गतिमान होने के बावजूद भी उपस्थिति दर्ज कराने के लिये धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सुधीर गादिया ने कहा कि युवा विंग बहुत सराहनीय कार्य कर रही है और मुख्य विंग प्रत्येक कार्य में युवा विंग को सहयोग करने में गर्व महसूस करती है। सिद्धार्थ बोहरा ने कहा कि युवा विंग के प्रत्येक आयोजन का आउटपुट बहुत अच्छा रहता है और क्रियान्वयन की सोच उच्च स्तर की रहती है। बिंदु रायसोनी ने कहा कि आयोजन में भक्ति, नृत्य एवं मनोरंजन के साथ जुड़ाव व सौहार्द का मिश्रण भी देखने को मिलेगा। खुशी पोरवाल ने इस महाआयोजन की सफलता में सबके साथ एवं सहयोग का अनुरोध किया। ‘रंगतारी’ आयोजन के संयोजकों निशांत जैन, निकिता बड़ेरा, प्रिंस गुन्देचा, अभिनव बैतला व आशीष टपरावत ने आयोजन की संपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन में लगभग 2000 की जन मेदनी के आने की संभावना है। आयोजन में गुजरात के प्रसिद्ध कलाकार द्वारा गरबा नृत्य की प्रस्तुति दी जायेगी। आयोजन में भाग लेने हेतु आगंतुकों को पास के 22 संग्रह केंद्र बनाये गये है। इस अवसर पर जीतो नॉर्थ सचिव व युवा विंग संयोजक देव सामर, महिला महामंत्री सुमन वेदमुथा, युवा कोषाध्यक्ष ऋषभ सुराणा, प्रबंधन समिति सदस्य के नक्ष जैन, दीपेश कटारिया, अक्षय दक, गौरव दलाल, लक्षित सोनीगरा, कार्य समिति के मनमीत बोहरा, भरत खींवेसरा, सुमित जैन इत्यादि भी मौजूद थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भादी बीज महोत्सव

बेंगलूरु के केआरपुरम् के प्रजापति समाज सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा भादवी बीज का महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर भजन गायक राजू सियोल, गंगाराव ने अपने अपने भजनों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में बोलियों का भी आयोजन किया गया। मुख्यअतिथि पुखराज महाराज रहे। तिलक, हार, चुंदड़ी, माताजी की धूप, आरती, सत्संग आदि की बोलियों का लाभ सेवा संघ के बंधुओं ने लिया। कोषाध्यक्ष द्वारा आय व्यय का ब्योरा दिया गया। समाज के प्रतिभावान विद्यार्थी जिन्हों 85 प्रतिशत से अधिक अंक विभिन्न परीक्षाओं में प्राप्त किए हैं उनका सम्मान किया गया। बालीवॉल टीम का भी सम्मान किया गया। प्रधान हीरालाल, उपप्रधान प्रमोदकुमार, अध्यक्ष सुरेश, उपाध्यक्ष नोरत एवं मोहनलाल, सचिव अशोक, सहसचिव मदनलाल एवं लक्ष्मण, कोषाध्यक्ष पारस, उपकोषाध्यक्ष जयराम सहित नवयुवक मंडल, महिला मंडल का सहयोग रहा।मंच का संचालन सुरेन्द्र, प्रकाश, मदनलाल, नोरतनमल ने किया।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद की दुर्गा पूजा उत्सव को लेकर तैयारी बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दुर्गा पूजा की तैयारियों शुरु हो गई हैं। आरटीनगर के सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद, बिहार भवन द्वारा दुर्गापूजा उत्सव को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। इस वर्ष शिक्षाविद् प्रजेश झा को दुर्गा पूजा उत्सव का अध्यक्ष बनाया गया है। कार्यक्रम संयोजक उदय कुमार ने यह प्रस्ताव रखा एवं उपस्थित सभी सदस्यों ने ताली बजाकर उनका अनुमोदन किया। ट्रस्ट सचिव राम लखन सिंह, उदय कुमार, पंडित राजगुरु, मिंटू दुबे ने मिलकर पूजा अध्यक्ष को शाल ओढाकर, माला पहनाकर एवं मैसूरु

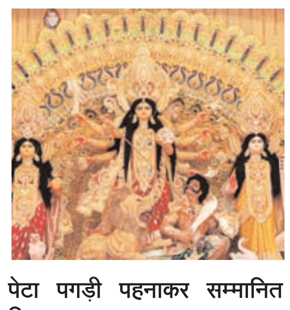

पेटा पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

दुर्गा पूजा उत्सव 15 अक्टूबर से लेकर 24 अक्टूबर तक आरटीनगर के विनायक मंदिर सांस्कृतिक हॉल में आयोजित होगा।

कार्यक्रम का प्रारंभ पंडित रामानंद चौधरी ने ईश वंदना से किया। दुर्गा पूजा से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने–अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। पूजा अध्यक्ष ने अपना सुझाव रखा कि इस वर्ष ज्यादा से ज्यादा बिहारी प्रवासियों को इसमें जोड़ा जाए और इसे ऐतिहासिक पर्व एवं त्यौहार के रूप में प्रस्तुत किया जाए। इस कार्यक्रम में आरके सिंह, कोषाध्यक्ष दीपेश कुमार, संजय सिंह, रवि रंजन, प्रवीण उपाध्याय, पंकज सिंह, मुन्ना सिंह, पंडित सत्यनारायण झा, राम झा, महेंद्र पाठक, जयशंकर मिश्र, जेके महतो, कुमार झा, विनय कुमार, निधि श्रीवास्तव, प्रशांत कुमार, प्रेम कुमार आदि गणमान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में परिषद सचिव पंडित राजगुरु ने उपस्थित सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु में मंगलवार को सुबह वर्ल्ड अल्झाइमर महीने में मेमोरी वॉक का आयोजन मैसूरु पैलेस गेट के परिसर में राजमाता प्रमोदा देवी के द्वारा फ्लैग ऑफ के साथ किया गया। कार्यक्रम में राजमाता का स्वागत करते हुए रोटरी प्रेजिडेंट बेलवाड़ी डॉ. हनुमंथैया, रोटरी के संयोजक गौतम सालेचा एवं जीतो मैसूरु चैप्टर चेयरमैन कांतिलाल चौहान एवं अन्य।

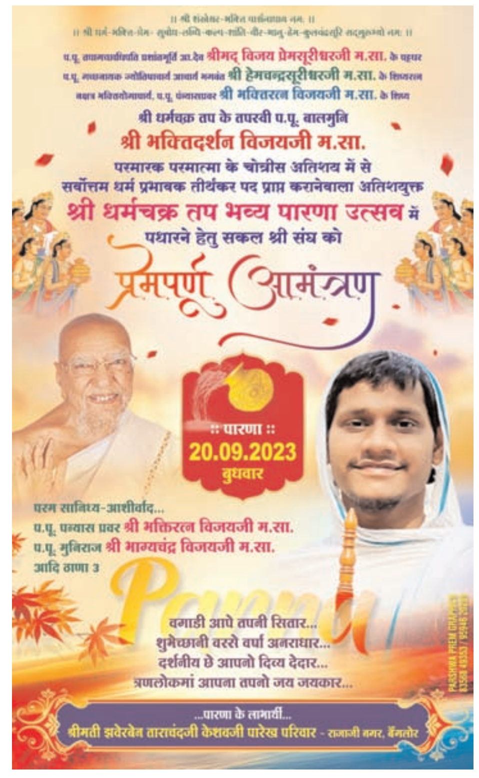

गणेशोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु में केआरएस रोड स्थित आईमाता मंदिर परिसर में सोमवार को आईजी सेवा संघ व आईजी गैर मंडल एवं महिला मंडल के तत्वावधान में 12वां गणपति उत्सव पर गणेश प्रतिमा विराजमान की गई। सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर सामूहिक पूजा की। इस अवसर पर सेवा संघ के अध्यक्ष रूपाराम राठौड़, सचिव किशनलाल सानपुरा, पुजारी दौलाराम सीरवी, मोहनलाल सौलंकी आदि मौजूद रहे।

क्षमापना से चित्त में शांति और मैत्री का भाव आता है

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मंगलवार को चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर महालक्ष्मी लेआउट में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी म. सा., साध्वीश्री गोयमरत्नाश्री, साध्वी श्री परमप्रज्ञाश्रीजी की निश्रा में पर्युषण पर्व के अंतिम आठवें दिन लाभार्थी परिवारें द्वारा साध्वीश्री को बारसा सूत्र वोहराया गया। ज्ञान की पांच पूजा की गई। जिसका वाचन साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी ने खड़े रहकर कराया और श्रद्धालुओं ने खड़े होकर सुना।

साध्वीश्री ने कहा कि जो मनुष्य बारसा सूत्र को श्रद्धा के श्रवण करता है उसको आठ भव में मोक्ष की प्राप्ति निश्चित होती है। इस सूत्र में 5 प्रभु का संपूर्ण जीवन चरित्र आता है। इसका एक–एक अक्षर मंत्र स्वरूप होता है। यह भद्रबाहूसूरीजी द्वारा रचित है, अहिंसा और मैत्री का पर्व है संवत्सरी। संवत्सरी पर्व पर जैन धर्मावलंबी जाने–अनजाने हुई गलतियों के लिए एक–दूसरे से क्षमा मांगते हैं। जैन धर्म की परंपरा के अनुसार पर्युषण पर्व के अंतिम दिन क्षमापना दिवस पर सभी एक–दूसरे से 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहकर क्षमा मांगते हैं, साथ ही एक दूसरे से यह भी कहा जाता है कि मैंने मन, वचन, काया से जाने–अनजाने आपका दिल दुखाया हो तो मैं हाथ जोड़कर आपसे क्षमा मांगता हूं।साध्वी श्री ने कहा कि क्षमापना से चित्त में अह्लाद का भाव पैदा होता है और आह्लाद भावयुक्त व्यक्ति मैत्री भाव उत्पन्न कर लेता है और मैत्री भाव प्राप्त होने पर व्यक्ति भाव विशुद्धि कर निर्भय हो जाता है। जीवन में अनेक व्यक्तियों से सम्पर्क होता है तो कटुता भी वर्ष भर के दौरान आ सकती है। व्यक्ति को कटुता आने पर उसे तुरंत ही मन में साफ कर देनी चाहिए और संवत्सरी पर अवश्य ही साफ कर लेना चाहिए। 'मिच्छामी दुक्कड़म' प्राकृत भाषा का शब्द है। प्राकृत भाषा में काफी जैन ग्रंथों की रचना ही हुई है। पर्युषण महापर्व जैन धर्मावलंबियों में आत्मशुद्धि का पर्व है। इस तरह पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि के साथ मनोमालिन्य दूर करने का सुअवसर प्रदान करने वाला महापर्व है। इस दौरान लोग पूजा–अर्चना, आरती, समागम, त्याग–तपस्या, उपवास आदि में अधिक से अधिक समय व्यतीत करते हैं। इस पर्व का आखिरी दिन क्षमापनादिवस के रूप में मनाया जाता है जिसमें हर किसी से 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहकर क्षमा मांगते हैं। पर्युषण पर्व के आखिरी दिन 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहने की परंपरा है। इसमें हर छोटे–बड़े से 'मिच्छामी दुक्कड़म' कहकर क्षमा मांगते हैं। प्रवचन के पश्चात सभी तपस्वियों का बैंड बाजे के साथ वरघोड़ा निकाला गया। जिसमें काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सम्पूर्ण भारतवर्ष व बेंगलूरु में विराजित सभी साधु साध्वियों से मिच्छामी दुक्कड़म

पुरुषावाक्कम जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी, जिज्ञासाश्रीजी, सुबोधिजी, निर्मितीप्रभाजी के चरणों में पर्युषण महापर्व पर कोटिश नमन एवं ऐतिहासिक चातुर्मास की मंगलकामनाएं।

सम्पूर्ण भारतवर्ष व बेंगलूरु में विराजित सभी साधु साध्वियों के श्रीचरणों में पर्युषण महापर्व पर कोटिश नमन एवं सभी के ऐतिहासिक चातुर्मास की कामना।

संवत्सरी के महान पर्व पर जाने अनजाने प्रमादवश हमारी किसी भी भूल, त्रुटि व आशतनाओं के लिए अंतकरण से क्षमायाचना व मिच्छामि दुक्कड़म करते हैं।

शुभकामनाओं सहित

महावीरचन्द-कल्पना, राजेशकुमार-उषा, शंकेश-जागृति मुथा
एवं समस्त वेदमुथा परिजन, शांतिनगर, बेंगलूरु (मरुधर में बगड़ी)

The Bangalore Cafe Pure Vegetarian
(Unit of Silverland Hospitality Pvt. Ltd
No 04, K. H. Road, Double Road
Bengalure - 560027

Multi Cuisine, Italian, Chinese, North Indian
South Indian mouth watering meals & snacks

- MOHANLAL MAHAVEERCHAND
- RAJESH KUMAR MUTHA
- UUSHA TRADING COMPANY
- MOMPAASONS LLP

'Tarunshree', 548/1,
Basappa Road, Shantinagar
Bengaluru - 560027
Ph : 080-41140050

टीटीई ने मानसिक रूप से दिव्यांग व्यक्ति को बचाया

हुब्बल्ली। एसएसएस हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन पर दो ऑन–ड्यूटी टीटीई ने 30 साल के मानसिक रूप से दिव्यांग व्यक्ति को बचाया, जो 23 जुलाई से गोवा में अपने घर से लापता था। उसे उसके अभिभावकों को सौंप दिया है। स्टेशन पर टीटीआई अमित वेड्टोरी और रोहित साहू ने प्लेटफॉर्म पर मानसिक रूप से दिव्यांग व्यक्ति को अकेले घूमते हुए देखा। उन्होंने उसका पता लगाने के लिए हुब्बली मंडल के अन्य टीटीई के साथ विवरण साझा किया। आखिरकार यह बात सामने आई कि वह व्यक्ति वास्को का रहने वाला था और उसके चाचा ने उसका पता लगाने के लिए पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। टीटीई द्वारा उनके अभिभावकों का नंबर लिया गया और विवरण सत्यापित करने और प्रक्रियाओं का पालन करने के बाद उन्हें सौंप दिया गया। इस अवसर पर सीटीआई हुब्बली बाबू और अन्य लोग मौजूद थे। लापता व्यक्ति के परिवार के सदस्यों ने दोनों टीटीई के अच्छे काम की सराहना की और रेलवे को धन्यवाद दिया।

संवत्सरी महापर्व के उपलक्ष्य में हम सभी अपनी भूलों के लिए आप सभी से क्षमा चाहते हैं। यदि हमने जाने–अनजाने आपके मन को ठेस पहुंचाई हो या ठेस पहुंचाने का भाव भी मन में आया हो तो आज हम मन, वचन और काया से आपसे क्षमा मांगते हैं।

क्षमाप्रार्थी

- पारसमल एच. पटवा
पूर्व अध्यक्ष : श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, हुब्बल्ली
- आनंदकुमार पी. पटवा
अध्यक्ष : श्री महावीर यूथ फेडरेशन व रोटरी क्लब विद्यानगर
- महावीरकुमार पी. पटवा
उपाध्यक्ष : के. एच. पटवा फाउंडेशन, हुब्बल्ली
- विनोदकुमार पी. पटवा
मंत्री : पी. के. एस. फाउंडेशन एवं के. एच. पटवा फाउंडेशन, हुब्बल्ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विश्वकर्मा जयंती

बेंगलूरु में विश्वकर्मा सेवा संघ द्वारा भगवान विश्वकर्माजी की पूजन आईईटीई सेन्टर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रवचनकर्ता माधव सेवा सदन अयोध्या के महाराज श्रीजीस्वामी रामानुजाचार्य द्वारा भगवान विश्वकर्मा के बारे में उपस्थित भक्तों को बताया गया। अतिथि महंतश्री राजू दासजी हनुमानगढ़ी अयोध्या, अतिथि समाजसेवी महेन्द्र मुणोत ने आगामी कार्यक्रमों की घोषणा की। नवरात्रि के मौके पर बेंगलूरु में पंडोखर धाम का दरबार सजेगा। जिसकी सूचना दी जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वकर्मा सेवा संघ के अद्यक्ष अजय विश्वकर्मा द्वारा की गई। इस मौके पर महेन्द्र मुणोत का सम्मान किया गया। इस समय ट्रस्टी और पदाधिकारी संजय विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, इन्दजीत विश्वकर्मा, इन्द्रकेश विश्वकर्मा, दयाराम विश्वकर्मा, गुलाब विश्वकर्मा, हरिशचन्द विश्वकर्मा, शिवपूजा विश्वकर्मा, ओकप्रकाश विश्वकर्मा, मिठाई लाल विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

क्षमा वीरस्य भूषणम्

हमसे जाने अनजाने में कोई भी कटु व्यवहार आपके प्रति हुआ हो तो संवत्सरी के इस महान पर्व पर मन–वचन–काया से हम आप से क्षमा चाहते हैं।

गौसेवा सबसे बड़ी सेवा

श्री कामधेनु गौशाला सेवाभावी टीम , बेंगलूरु

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com